भाद्रपद शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 165 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
30 नवम्बर 2023 गुरुवार

आज का मौसम
21 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मतगणना के पहले मंत्रालय में जुटे सीएम, मंत्री व आला अफसर

आखिरी कैबिनेट बैठक में उभरीं आनंदमयी याद, बैंस को विदाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र की शिवराज मंत्रिपरिषद की आज 'आखिरी बैठक' मंत्रालय में हुई। यह बैठक 'विदाई' बैठक की तरह रही। इसमें मुख्यसचिव इकबाल सिंह बैंस को भी विदाई दी गई। इस मौके पर मंत्रियों के अलावा सभी अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव स्तर के अफसर भी मौजूद रहे। इस बैठक का कोई घोषित एजेंडा नहीं रहा, लिहाजा सभी मंत्रियों व अफसरों ने भी फिलहाल एक-दूसरे से विदा ली। मंत्रियों ने इस मौके पर बैंस के कार्यकाल को भी याद किया और अपनी बातें रखीं। बताया जाता है कि कैबिनेट बैठक का माहौल काफी हल्काफुल्का रहा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी मंत्रियों और अफसरों को संबोधित किया। इस मौके पर सीएम शिवराज ने कहा कि 'अपने लिए जिए तो क्या जिए, देश, समाज के लिए जीना ही जीना है, बैंस ने यही कर दिखाया है। उन्होंने अच्छा काम किया तथा जो भी काम उन्हें सौंपे गए वे बिना किसी तनाव, दबाव के उन्होंने पूरे किए।' चौहान ने कहा कि उनके

कार्यकाल में सीएम राइज स्कूल, सिटीजन चार्टर और आनंद मंत्रालय बेहतर उपलब्धियां रही। वहीं बैंस ने आनंद विभाग को अपनी प्रमुख उपलब्धि बताया व कहा कि यह एक पड़ाव ही है, अंत नहीं है, उनकी सक्रियता बनी रहेगी। हालांकि कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने इस बैठक पर आपत्ति जता चुके हैं। उनका कहना है कि यह मतगणना के लिये अफसरों पर दबाव बनाने के लिये बुलाई गई। वहीं संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि यह बैठक संसदीय परंपरा के तहत ही बुलाई गई है। विश्वास सारंग ने कहा कि बैठक का मतगणना से कोई संबंध नहीं है।

उल्लेखनीय है कि दो एक्सटेंशन के बाद बैंस का आज आखिरी कार्यदिवस है। उनकी जगह अब वीरा राणा ले रही हैं, उन्हें चुनाव आचार संहिता के दौर में वरिष्ठता के आधार पर चुना गया है और फिलहाल अतिरिक्त रूप से मुख्यसचिव का कार्यभार दिया गया है। तीन दिसंबर को मतगणना के बाद अस्तित्व में आने वाली सरकार मुख्यसचिव के तौर पर नये सिरे से नियुक्ति करेगी। इसमें राणा को भी मौका मिल सकता है तथा अन्य किसी अफसर को भी। वैसे राणा का दावा मजबूत हो सकता है क्योंकि वे तीन दशक बाद इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अफसर हैं, उनका कार्यकाल भी अब सिर्फ चार महीने का बाकी है, क्योंकि वे 31 मार्च को रिटायर होने वाली हैं। हालांकि खास बात यह है कि मार्च में राणा के साथ भी वही स्थिति आ सकती है जो बैंस के साथ रही। माना जा रहा है कि मार्च अंत तक लोकसभा चुनाव का ऐलान भी हो सकता है, यदि ऐसा हुआ तो आचार संहिता का दौर शुरू हो जाएगा।

आज शाम से चुनाव नतीजों की तस्वीर बनेंगी

आज शाम को तेलंगाना में मतदान समाप्त होने के बाद अब पांच राज्यों के चुनाव परिणामों पर किए गए एक्जिट पोल के नतीजे आयेंगे। मप्र,राजस्थान,मिजोरम,छत्तीसगढ़ में वोट पहले ही डाले जा चुके हैं। इन राज्यों के एक्जिट पोल पर राजनीतिक दलों की भी नजर है।

तेलंगाना में दोपहर तक करीब 40 फीसद मतदान

तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान आज सुबह से चल रहा है और दोपहर तक करीब चालीस फीसद वोट डाले जा चुके हैं। इस बार तेलंगाना में सीएम केसीआर के लिये कांग्रेस और भाजपा ने भरसक चुनौती पेश करने की कोशिश की है। यहां विधानसभा की सभी 119 सीटों पर 3 करोड़ 26 लाख से अधिक मतदाता हैं। केसीआर की नजर लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी पर है। 22 हजार माइक्रो पर्यवेक्षक चुनावी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। इस बार 2290 उम्मीदवार राज्य के चुनावी रण में अपनी किस्मत अजमा रहे हैं। कांग्रेस ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान अजहरुद्दीन को हैदराबाद की जुबली हिल्स क्षेत्र से चुनावी में उतारा है। कई दिग्गज भी चुनाव में हैं। सुबह हैदराबाद में अल्लु अर्जन, चिरंजीवी समेत कई फिल्मस्टार भी मतदान के लिये बूथ पर नजर आए।

टेक दिग्गज नारायणमूर्ति के बेबाक बोल

मुफ्त में कुछ न मिले, अगर दें तो सशर्त हो...

बेंगलुरू, दोपहर मेट्रो।

आईटी सेक्टर की बड़ी व मशहूर कंपनी इंफोसिस के को-फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति के बेबाक बोल आजकल सुर्खी में हैं। कुछ ही दिन पहले उन्होंने सप्ताह में 70 घंटे काम के बयान के बाद देशभर में बहस पैदा कर दी थी। अब उन्होंने कहा है कि कुछ भी मुफ्त में नहीं दिया जाना चाहिए। बेंगलुरु में टेक समिट 2023 में मूर्ति ने अपनी इस राय के पीछे की वजह का भी खुलासा किया है। यह बयान राजनीतिक दलों के लिये भी गौरतलब हो गया है क्योंकि पूरे देश में आजकल राजनीतिक पार्टियां मुफ्त सौगातों के जरिये चुनावी सियासत कर रही हैं। मूर्ति ने मुफ्त में किसी भी तरह की सेवाएं देने पर बात करते हुए कहा कि मैं फ्री सर्विसेज के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन सरकार द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और सब्सिडी का लाभ उठाने वाले लोगों को समाज की भलाई के लिए योगदान देना चाहिए। जब आप वे सेवाएं लेते हैं, जब आप वे सब्सिडी प्राप्त करते हैं, तो बदले में कुछ ऐसा होना चाहिए, जो आप करने को तैयार हों। सॉफ्टवेयर दिग्गज ने आगे कहा कि भारत जैसे गरीब देश को समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए दयालु पूंजीवाद ही एकमात्र समाधान है।

अरबपति बिजनेसमैन नारायण मूर्ति ने यह भी कहा कि 'उदाहरण के लिए, अगर आप कहते हैं कि मैं आपको मुफ्त बिजली दूंगा, तो यह बहुत अच्छा होता, लेकिन हम चाहते हैं कि प्राथमिक विद्यालयों और माध्यमिक विद्यालयों में प्रतिशत उपस्थिति 20 फीसदी तक बढ़े, तभी हम आपको यह देंगे।' उन्होंने गरीबी को खत्म करने के प्रयासों को लेकर कहा कि मेरा मानना है कि मुक्त बाजार और उद्यमिता के दोहरे स्तंभों पर आधारित पूंजीवाद किसी भी देश के लिए गरीबी की समस्या खत्म करने का एकमात्र समाधान है।

मैं भी तो गरीबी से आया

मूर्ति ने जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ द्वारा संचालित 'फायरसाइड चैट' के दौरान फ्री सेवाओं को लेकर अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं मुफ्त सेवाएं दिए जाने के खिलाफ नहीं हूं, क्योंकि मैं भी एक समय गरीब पृष्ठभूमि से आया था, लेकिन मुझे लगता है कि हमें उनलोगों से बदले में कुछ उम्मीद करनी चाहिए, जिन्होंने मुफ्त सब्सिडी ली है, ताकि वे अपनी भावी पीढ़ी, अपने बच्चों और पोते-पोतियों को स्कूल जाने के मामले में बेहतर बनाने और बेहतर प्रदर्शन करने की दिशा में थोड़ी बड़ी जिम्मेदारी उठा सकें।

चीन के मॉडल का अध्ययन जरूरी

इस दौरान भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने पर सरकार को उनके सुझाव के बारे में पूछे गए सवाल पर मूर्ति ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को चीन का बहुत ध्यान से अध्ययन करना चाहिए। टेक दिग्गज ने कहा कि चीन, जिसमें हमारे जैसी ही सभी समस्याएं थीं, मगर उसकी जीडीपी भारत से पांच या छह गुना अधिक हो गई है।

राहत.. इजराइल व हमास में युद्ध विराम की अवधि और बढ़ी

तेलअवीव, एजेंसी।

पश्चिम एशिया के गाजा में युद्ध और 47 दिनों के हिंसक संघर्ष में अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की मौत के बाद सीजफायर आगे भी जारी रहने की उम्मीद बंधी है। 24 नवंबर को कतर की प्रभावी मध्यस्थता और हस्तक्षेप के बाद बीते छह दिनों से युध्द थमा हुआ है। आज इस समझौते का आखिरी दिन है। सवाल उठ रहा है कि फिर से जंग शुरू हो जाएगी। लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार, समझौते की अवधि समाप्त होने से कुछ समय पहले ही दोनों पक्षों ने फैसला लिया कि इस्राइल और हमास के बीच युद्ध नहीं होगा। इस्राइली सेना ने कोई समय सीमा बताए बिना कहा कि कि बंधकों को रिहा कराने के लिए फिलहाल संघर्ष विराम जारी रहेगा। इस बीच, हमास ने कहा कि संघर्ष विराम को सातवें दिन के लिए बढ़ाने पर सहमति बनी है। उल्लेखनीय है कि इस्राइल और हमास के युद्ध की शुरुआत अक्टूबर में हुई थी। संघर्ष विराम समझौत के तहत हमास ने 50 से अधिक इस्राइली और विदेशी नागरिकों को बंधन से आजाद किया। हमास पर लगभग 250 लोगों को बंधक बनाने के आरोप हैं। हमास ने संघर्षविराम की शर्तों के तहत जब आम लोगों को कब्जे से मुक्त किया तो बदले में इस्राइल को भी जेलों में कैद 100 से ज्यादा फलस्तीनी कैदियों को रिहा करना पड़ा।

उत्तरकाशी की सुरंग का काम बंद, अब सेफ्टी ऑडिट होगा, मजदूरों को ब्रेक

देहरादून, एजेंसी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सिल्क्यारा टनल से 41 मजदूरों को सुरक्षित निकालने के बाद अब इसका काम बंद कर दिया गया है। यहां देश और दुनिया के एक्सपर्ट की निगरानी में 17 दिन से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा था. जब मशीनों समेत ऑपरेशन टीम चली गई तो यह जगह अब वीरान है। बचाव अभियान के दौरान बंद किए गए सुरंग के पास के रास्ते बुधवार को खोल दिए गए। हालांकि पुलिसकर्मियों की एक टीम मौके पर तैनात की गई है। सरकार ने सुरंग का सेफ्टी ऑडिट करवाए जाने के आदेश दिए हैं। यहां काम करने वाले मजदूरों को ब्रेक दिया है। अधिकारिक तौर पर कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकारों की कई एजेंसियों की तरफ से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। रेट माइनर्स की टीम भी वापस चली गई है। 12 हजार करोड़ रुपए की यह महत्वाकांक्षी सिल्कयारा सुरंग परियोजना 4.5 किलोमीटर लंबी है। यह केंद्र सरकार की 900 किलोमीटर लंबी 'चार धाम यात्रा ऑल वेदर रोड' प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा है। इस परियोजना का लक्ष्य उत्तराखंड के चार पवित्र शहरों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करना है। सिलक्यारा से बरकोट के बीच राडी नामक पहाड़ में छेद करके इस सुरंग को बनाया जा रहा है। हालांकि इसके निर्माण की खामियों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में निर्माण एजेंसी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की तरफ से अभी कोई बयान नहीं दिया गया है।

भारतीय टीम और कप्तान पर आज महत्वपूर्ण फैसले के आसार

मुंबई, एजेंसी। वनडे वर्ल्ड कप अब गुजर चुका है। अब भारतीय क्रिकेट टीम अब रीसेट के लिए तैयार हो रही है। बीसीसीआई और राष्ट्रीय चयनकर्ता आज टीम के आगामी स्वरूप के लिये बैठक करने वाले हैं। इसमें रोहित शर्मा के साथ उनके सफेद गेंद के भविष्य पर बातचीत भी मुख्य विषय है। आज ही भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम चुनी जाएगी। टीम इंडिया 3 टी20, 3 वनडे और 2 टेस्ट मैचों के लिए 6 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका रवाना होने वाली है। यह भी कहा जा रहा है कि अगर भारत के कप्तान एक साल तक प्रारूप से बाहर रहने के बाद अपने टी20 करियर को लंबा करने का फैसला करते हैं तो चयनकर्ता खुश होंगे। रोहित ने पहले कहा था कि अगर उन्हें टी-20 के लिए नहीं चुना गया तो वह संतुष्ट हैं। सूत्रों के मुताबिक, हार्दिक पंड्या का नियमित रूप से अनफिट होना चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन के लिए चिंता का कारण बन गया है।

केमिकल प्लांट में अब तक सात की जलकर मौत

सूरत, एजेंसी। गुजरात के सूरत में एक केमिकल फैक्ट्री के स्टोरेज टैंक में ब्लास्ट होने से आग लग गई थी। इसमें मरने वालों की संख्या अब तक 7 हो गई है। हादसे के बाद 7 से 8 लोग लापता थे। करीब 24 घंटे बाद घटनास्थल से 7 कंकाल मिले। इसके बाद ही प्रशासन ने 7 लोगों की मौत की पुष्टि की। सभी की जलने से मौत हुई। ब्लास्ट में 20 लोग घायल हैं, जिनमें 8 की हालत नाजुक है। सूरत के फॉयर ब्रिगेड अधिकारी बसंत पारीक के मुताबिक, सचिन इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित फैक्ट्री में देर रात करीब दो बजे एक बड़े टैंक में रखे केमिकल में रिसाव हुआ। इसके चलते विस्फोट के बाद आग लग गई। आग ने फैक्ट्री की पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। करीब 9 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। केमिकल फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने में करीब 10 घंटे का समय लगा।

मेट्रो एंकर

छत्तीसगढ़ में भाठागांव का एक किसान करता है केसर की खेती

लाल सोने की महक: जिसकी दीवाने हैं तीन फिल्मी स्टार उसकी सिर्फ एक कमरे में होती है पैदावार!

रायपुर, दोपहर मेट्रो।

इन दिनों एक विज्ञापन बहुत देखा जाता है जिसमें फिल्मस्टार अक्षय कुमार,शाहरुख व अजय देवगन एक खास किस्म की सुगंध के पीछे खिंचते देखे जाते हैं। दरअसल यह केसर है जो कश्मीर के मैदानों में पाया जाता है लेकिन अब यह केसर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक पहुंच गया है। भाठागांव के किसान मनमोहन नायक इसकी खेती करते हैं। वह भी महज 220 वर्ग फीट के कमरे में ! जबकि इसकी कीमत तीन लाख रूपये किलो तक है। इसे कीमतों के चलते ही लाल सोना भी कहा जाता है, जो मालामाल कर देता है।

बताया जाता है कि मनमोहन को पहले साल में दो किलो केसर मिलने की उम्मीद है। वह घड़ी अब एक महीने दूर है। वे केसर की निगरानी सीसीटीवी कैमरे से करते हैं। दरअसल, केसर के लिए कश्मीर की तरह तापमान बनाए रखने के लिए एक शीत कक्ष जरूरत होती है। जिसका तापमान 25 डिग्री बनाए रखना जरूरी है जबकि इस नवंबर में रात में सिर्फ 5-6 डिग्री सेल्सियस की जरूरत होती है। वे कहते हैं कि इसकी खेती कश्मीर के अलावा अब पुणे और नोएडा में भी इसी तरह हो रही है। हालांकि वे बीज श्रीनगर से लाए हैं। अगले महीने पहली फसल आने वाली है। एक बीज से पांच सीजन यानी पांच साल तक फसल ली जा सकती है।

प्याज जैसा बीज,हर हिस्सा कीमती

बताया जाता है कि केसर के बीज प्याज की तरह दिखते हैं। इन्हें जुलाई-अगस्त में बोया जाता है। अक्टूबर-नवंबर तक फूल आते हैं। कुछ बीज एक फूल पैदा करते हैं और कुछ दो या तीन फूल पैदा करते हैं। फूलों का रंग बैंगनी या गहरा नीला होता है। हर फूल में लाल, नारंगी और पीले रंग के तीन चमकते गर्भ केसर (फूल के अंदर का भाग) होते हैं। केसर के फूल का हर हिस्सा कीमती है। फूलों की बैंगनी-नीली पंखुड़ियों का उपयोग अगरबत्ती बनाने में किया जाता है। फूल के अंदर वाले भाग को केसर कहा जाता है। मनमोहन जिस पद्धति से खेती कर रहे हैं, उसे एरोपोनिक्स कहा जाता है। इस विधि से केसर को लकड़ी और प्लास्टिक की ट्रे में उगाया जाता है। यह तकनीक सबसे ज्यादा ईरान में उपयोग की जाती है।

राजधानी में बारिश से मौसम हुआ सुहाना

भोपाल में सुबह-शाम हुई बारिश से राजधानी का मौसम सुहाना हो गया है, लेकिन लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

ब्लड, आई बैंक की तर्ज पर अब बोन, स्किन और मिल्क बैंक निर्माण का भी प्रस्ताव

हमीदिया अस्पताल में बैंक स्ट्रीट होगा तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के हमीदिया अस्पताल में अब ब्लड, आर्गन बैंक सहित आधा दर्जन से ज्यादा बैंक बनाए जाएंगे। यहां के लिए ब्लड, आई बैंक की तर्ज पर अब बोन, स्किन और मिल्क सहित अन्य बैंक का निर्माण करने के प्रस्ताव बनाए जा रहे हैं।

सभी बैंक एक साल में शुरू करने के प्रयास

प्रबंधन के अनुसार, हमीदिया में बैंक स्ट्रीट तैयार करने लिए लगातार काम किया जाा रहा है। पुराने बैंकों को अपडेट करने के साथ कुछ नए बैंकों के लिए प्रयास किया जा रहा है। प्रयास हैं कि यह सभी बैंक एक साल में शुरू हो जाएंगे। सभी बैंक बन जाने के बाद यहां हर तरह की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

जानकारी के अनुसार, फिलहाल हमीदिया अस्पताल में संचालित ब्लड बैंक में रक्त संग्रहण की क्षमता 28 सौ यूनिट है। आई बैंक को अपग्रेड किया गया है। अब दान में मिली आंखों को सात दिन तक स्टोर किया जा सकता है। इस बैंक में हर साल 20 से 25 लोग अपनी आंखें दान करते हैं। वहीं अब बोन बैंक, स्किन बैंक, स्पर्म बैंक के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत भोपाल व इंदौर में ह्यूमन मिल्क बैंक खोलने की योजना तैयार की गई थी। जयप्रकाश अस्पताल में शुरुआत हो चुकी है। अब हमीदिया अस्पताल से प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

यह बैंक हैं मौजूद

आई बैंक : इसे अपग्रेड किया गया है। अब दान में मिली आंखों को सात दिन तक स्टोर किया जा सकता है। दान में मिली आंखों की गुणवत्ता जांचने के लिए पेकुलर माइक्रो स्कोप का उपयोग किया जाता है, बैंक में हर साल 20 से 25 लोग अपनी आंखें दान करते हैं।

ब्लड बैंक : अब तक यहां 18 सौ यूनिट रक्त संग्रहण की क्षमता थी, जो अब बढ़कर 28 सौ यूनिट हो गई। अब बाहरी मरीजों को भी यहां आसानी से ब्लड मिल जाएगा।

यह बैंक लेंगे आकार

बोन बैंक : इसमें दान की गई या आपरेशन के दौरान निकाली गई हड्डियों को डीप फ्रीजर में 40 से 70 डिग्री सेल्सियस पर रखा जाता है। इनका उपयोग बोन ट्यूमर निकालने के बाद खाली जगह को भरने और जोड़ प्रत्यारोपण में होता है। दुर्घटनाओं में हड्डियां टूटने, कैंसर या दूसरे तरह के ट्यूमर से खराब होने वाली हड्डियों के बदलने में भी यहां से ली गई हड्डियों का उपयोग होगा।

स्किन बैंक : हालांकि इसके लिए राज्य सरकार की मंजूरी मिलना जरूरी है। इससे झुलसे और घायल व्यक्तियों को राहत मिलेगी। स्किन बैंक बनने से डोनेशन में मिली स्किन को छह महीने तक बैंक में रखा जा सकेगा।

मदर मिल्क बैंक : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत भोपाल व इंदौर में ह्यूमन मिल्क बैंक खोलने की योजना थी। मिल्क बैंक में पाश्चराइजेशन यू रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीज, आरओ जैसे संसाधनों के जरिये छह माह तक मां के दूध को सुरक्षित रख सकते हैं। जयप्रकाश अस्पताल में शुरुआत हो चुकी है। अब हमीदिया अस्पताल से प्रस्ताव भेजा जा रहा है। ।

स्पर्म बैंक : व्यक्ति के स्पर्म को स्टोर कर जरूरतमंद कपल्स को फर्टिलिटी क्लीनिक्स के माध्यम से मुहैया कराया जाएगा। हमीदिया में टेस्ट ट्यूब बेबी और फर्टिलिटी क्लीनिक्स तैयार होना है। इसके तहत ही आगे की कार्ययोजना पर काम की तैयारी है।

हेयर बैंक : मानव अंगों की तरह यहां बालों को रखा जाएगा। कैंसर से जूझ रहे मरीजों के बाल झड़ जाते हैं। ऐसे में बैंक से बाल लेकर मरीजों में ट्रांसप्लांट किया जा सकेगा।

सुधा मूर्ति जनजातीय संग्रहालय देखने पहुंचीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। पद्म भूषण डॉ. सुधा मूर्ति ने जनजातीय संग्रहालय, का भ्रमण किया। उन्होंने संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन किया। संग्रहालय की दीर्घाओं एवं उनमें जनजातीय समुदाय की वाचिक और कला परम्परा के बेहतर प्रदर्शन तथा कलात्मक संयोजन की प्रशंसा की।

एमजीएम के पूर्व छात्रों का रीयूनियन कल से

55 साल पहले बिछड़े डाक्टर्स का भोपाल में होगा मिलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर के 1967 बैच के चिकित्सकों का 56 वें साल में रियूनियन भोपाल में होने जा रहा है। यह एक से तीन दिसंबर को होगा इसमें बड़ी संख्या में चिकित्सक हिस्सा ले रहे हैं। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं।एमजीएम एलुमनी की ओर से डॉ छाया बुधवानी ने बताया कि देश के विभिन्न नगरों और अन्य देशों में कार्यरत चिकित्सक इस रियूनियन में हिस्सा ले रहे हैं। सभी मिलकर स्मृतियों को ताजा करेंगे और अपने कॉलेज डेज को याद करेंगे। गीत संगीत के कार्यक्रम के साथ ही अनेक गेम्स भी होंगे। एमजीएम 19 67 बैच के डॉक्टर प्रणव पंड्या प्रमुख शांतिकुंज हरिद्वार को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।यह सभी चिकित्सक 2017 में गोल्डन जुबली पर यादगार कार्यक्रम कर चुके हैं। गोल्डन जुबली प्रोग्राम से छूटे कई डॉक्टर्स भी इस बार री यूनियन प्रोग्राम में भोपाल आ रहे हैं।

पचमढ़ी के शैक्षणिक भ्रमण पर गईं एसएचआईएम की छात्राएं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

एस.एच.आई.एम ने प्रबंधन की छात्राओं के लिए ईकोसिस्टम और बायोडायवर्सिटी को बेहतर समझने के लिए तीन दिवसीय पचमढ़ी भ्रमण आयोजित किया गया।

इस भ्रमण के प्रथम दिवस में छात्राओं ने पचमढ़ी में जटाशंकर महादेव के दर्शन किए एवं स्थानीय बाजार का अवलोकन किया। स्थानीय लोगों के रहन-सहन को समझ कर उन्होंने उनके द्वारा प्राकृतिक जीवन यापन के बारे में जाना। इसके अलावा उन्होंने स्थानीय जड़ी-बूटियों के बारे में भी जाना। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। दूसरे दिन छात्राओं ने वन क्षेत्र का भ्रमण किया जिसमें उन्होंने जिप्सी वाहन के द्वारा पांडव गुफाएं, बी फॉल एवं धूपगढ़ (सनसेट पॉइंट) को बारीकी से देखा। तीसरे एवं अंतिम दिवस छात्राओं ने बड़ा महादेव, गुप्त महादेव, हांडी खो एवं चंपक लेक का भ्रमण किया। इस भ्रमण से छात्रों ने टीमवर्क, समन्वय एवं अनुशासन की भावना को समझा। इस पूरी यात्रा में छात्राओं ने प्रकृति एवं सुरम्य वादियों के अनोखे रंग देखे, जो उनके लिए बिलकुल नए थे; यह अनुभव उन्हें प्रकृति से जोड़ रखेगा।

शायरी के नाम शाम आज रविंद्र भवन में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज शाम राजधानी में रविंद्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर विख्यात कवि डा कुमार विश्वास समेत शकील आजमी,मदनमोहन दानिश व अन्य कवियों का कार्यक्रम %एक शाम शायरी के नाम% का आयोजन रात आठ बजे से हो रहा है। यह कार्यक्रम भास्कर समूह स्व रमेशचंद्र अग्रवाल की स्मृति में प्रेरणा उत्सव के तहत कर रहा है। इसी कड़ी में कल वेदांता समूह के संस्थापक व चेयरमैन डा अनिल अग्रवाल का टॉक शो भी होगा।

बैंकर्स क्लब का दीपावली मिलन, गीत, संगीत, डांस व आतिशबाजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

बैंकर्स क्लब ने दीपावली मिलन समारोह परिवार में उसत्व की तरीह मनाया। गीत, संगीत, डांस, आतिशबाजी हुई। लकी ड्रॉ से जैक पोट निकालें। क्लब के सदस्यों के बच्चों ने डांस की प्रस्तुति दी। जैक पोट नंद सन्मुखानी और रजनी नाथानी ने जीते ।

गायन में संतोष सोनी, जय-वृद्धि सबनानी, भगवान बाबानी, नंद सन्मुखानी, गुलाब जेठानी, परमानंद पेसवानी, शिखा लालवानी, मेघराज आसूदानी, कमलेश चांदवानी, भगवान-मुक्ता चदानी, कृष्णा मरजानी, लखन भागचंदानी ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन सोनिया खुशलानी और शिखा लालवानी ने किया।

विशिष्ट मेहमान के रूप में शिक्षाविद विष्णु गेहानी मौजूद रहे। गेहानी ने कहा कि बैंकर्स क्लब के साथी सामाजिक संस्थाओं में जिम्मेदारी के पद संभालते हुए अपना दायित्व भली भांति निभा रहे हैं। अध्यक्ष सुन्दर किशनानी, महासचिव गुलाब जेठानी, सलाहकार मंडल के संतोष सोनी, श्यामसुंदर गोपलानी ने भी अपने विचार रखे। महेश मित्तल, एजीएम, सेंट्रल बैंक, राहुल कीर्तानी और प्रतीक शर्मा बैंकर्स क्लब के नए सदस्य बने हैं।

मेट्रो एंकर संत गोविंदराम के जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ

धर्म ध्वजा फहराकर संत युधिष्ठिर लाल ने किया शुरू किया उत्सव

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शदाणी दरबार तीर्थ रायपुर के आठवें गुरु संत गोविंदराम जी का 79वाँ जन्मोत्सव मनाया गया। सोनगिरी स्थित संत शदाराम मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का शुभारंभ रानी कमलापति स्टेशन परिसर से सनातन धर्म यात्रा के साथ हुआ, जिसे शदाणी दरबार के नवम् पीठाधीश संत डॉ युधिष्ठिर लाल द्वारा धर्म ध्वजा फहराकर रवाना किया। यह धर्म यात्रा स्टेशन परिसर से सोनगिरी स्थित संत शदाराम मंदिर पहुँची,

जिसका भोपाल के संतों सहित भक्तों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मंदिर परिसर में पंडित विष्णु शास्त्री द्वारा विधि-विधान व पूर्ण मंत्रोचार के साथ हवन यज्ञ व झंडा वंदन किया गया। इसी जन्मोत्सव कार्यक्रम में शाम को महिलाओं द्वारा सिंधु दर्शन मंदिर से कलश यात्रा निकली गई जो सोनागिरी के प्रमुख मार्गों से होते हुए शदाणी दरबार पंडाल तक पहुंची। यह कलश यात्रा बैंड बाजों के साथ निकाली गई, जिसमें कन्याएं व महिलाएं अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। इस दौरान कलश यात्रा में शामिल लोग धार्मिक गीतों की धुनों पर जमकर थिरकते नजर आए। इसके बाद रात्रि में भजन कीर्तन, प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धून पर शदानी भक्त देर रात तक झूमते हुये नज़र आये। इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में इटारसी, होशंगाबाद, इन्दौर, नागपुर, रायपुर, अमरावती, जलगांव, इंदौर, दिल्ली, हरिद्वार में भी श्रद्धालुगण राजधानी भोपाल पहुँचे।

पंडाल बना आकर्षण का केन्द्र

संत गोविंदराम जी का 79वाँ जन्मोत्सव का कार्यक्रम में बना पंडाल हुबहू रायपुर की शदाणी दरबार के आधार पर बनाया गया है था, इसे देख सब मोहित हो रहे थे, इस पंडाल को देख लोगों को ऐसा प्रतीत हो रहा था की हम आज शदाणी दरबार तीर्थ रायपुर के प्रांगण में ही पूज्य संतों के सामने अपनी हाज़िरी लगाने उपस्थित हुए है।

कडी सुरक्षा व देरों सीसीटीवी कैमरों की जद में स्ट्रांगरूम

बालाघाट के बाद मतगणना के लिए आयोग, अफसर, दल सभी चौकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में सभी जिलों में मतगणना की तैयारी का अंतिम चरण चल रहा है। निर्वाचन आयोग के अधिकारी भी इसका जायजा ले रहे हैं। वहीं जिलों में कलेक्टर अपने अधीनस्थों को जरूरी निर्देश दे रहे हैं। इस बार मतगणना स्थलों पर राजनीतिक दलों की पैनी नजर भी हैं। बालाघाट मेंपोस्टल बैलेट संबंधी मामले में विवाद के बाद प्रशासन व ओयोग ज्यादा सतर्क है। भोपाल में भी सात विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना से पहले जिला जेल में सुरक्षा के

पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिला जेल में 72 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे स्ट्रांग रूम पर चौबीस घंटे नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही अंदर-बाहर 200 से अधिक पुलिस जवानों को सुरक्षा में तैनात किया गया है, जो कि अलग-अलग शिफ्ट में पहरा दे रहे हैं।

दरअसल, पिछले विस चुनाव में मतगणना के लिये लगभग 30 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, लेकिन इस बार 42 अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं। सात विधानसभा क्षेत्र के मतों की गिनती तीन दिसंबर को सुबह आठ बजे से जिला जेल में शुरू की जाएगी। इसके चलते प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। यहां पर मतगणना के लिए लाउडस्पीकर लगाए जा रहे हैं, जिससे हर राउंड के मतों की गिनती प्रत्याशी, प्रतिनिधि सहित अन्य को आसानी से सुनाई दे सके। मतगणना के दौरान किसी तरह की बिजली समस्या न उत्पन्न हो, इसके लिए स्थायी रूप से जनरेटर रखा गया है, जिस पर चौबीस घंटे बिजली कर्मचारी मौजूद हैं। मतगणना के दिन जिला जेल व आसपास का क्षेत्र पूरी तरह से छावनी में बदल जाएगा। यहां लगभग 500 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे। जेल रोड पर परिसर में प्रवेश के लिए बने मुख्य द्वार से ही बैरिकेडिंग शुरू कर दी गई है।

जितने प्रत्याशी उतनी संख्या टेबलों की

विधानसभा चुनाव में हर बार मतगणना के दौरान 14- 14 टेबल लगाई जाती थीं, लेकिन इस बार प्रत्याशियों की संख्या के अनुसार टेबल लगाई जा रही हैं। सबसे ज्यादा टेबल नरेला विधानसभा के लिए 21 रहेगी। इसके अलावा हुजूर और गोविंदपुरा के लिए 20-20 रहेगी। बैरसिया और उत्तर के लिए 16-16 और मध्य के लिए 14 टेबल पर मतगणना होगी। दक्षिण-पश्चिम में सबसे ज्यादा सरकारी कर्मचारी हैं। इस कारण यहां पर डाक मतपत्रों की गिनती के लिए सबसे ज्यादा पांच टेबल लगेंगी। इसके बाद गोविंदपुरा में चार, हुजूर में तीन टेबल रहेंगी। बैरसिया, उत्तर और मध्य के लिए सिर्फ दो -दो टेबल लगाई जाएंगी।

माशिमं: इन एलीमेंट्री एजुकेशन द्वितीय वर्ष का रिजल्ट जारी

22806 परीक्षार्थी उत्तीर्ण और 1366 परीक्षार्थी हुए फेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन द्वितीय वर्ष परीक्षा (प्रथम अवसर) अगस्त-2023 का परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन द्वितीय वर्ष परीक्षा (प्रथम अवसर) की परीक्षा में कुल 24179 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। जिसमें से 24172 परीक्षार्थियों का रिजल्ट घोषित गया है। इसमें कुल 22806 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए है और 1366 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण हुए है। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का प्रतिशत 94.34 प्रतिशत है। परीक्षा परिणाम मण्डल की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

नौवीं के नामांकन की आज अंतिम तारीख

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नौवीं के नामांकन में न्यूनतम आयु को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने छूट दी है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए न्यूनतम आयु सीमा में शिथिलता प्रदान की गई है। शासन के आदेश के अनुक्रम में सत्र 2023-24 में 13 वर्ष पूर्ण न करने वाले छात्रों के नामांकन करने के लिए 30 नवंबर तक ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मंडल ने संस्था प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे छात्रों के कक्षा नौवीं के नामांकन निर्धारित समय में पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

टेबलेट खरीदी प्रक्रिया का आज अंतिम दिन

प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षक स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश के बाद भी टेबलेट क्रय करने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। हालात यह हैं कि करीब एक से चल रही टेबलेट खरीदी की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। जिसके चलते लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को फटकार लगाई है और 30 नवंबर तक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश में कहा है कि नवंबर माह की स्थिति में कुल लक्ष्य 44 हजार के विरूद्ध पंजीयन एवं क्रय की स्थिति काफी न्यूनतम है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, 33,077 पंजीयन हुए हैं। प्रतिपूर्ति जमा 23,583 बीआरसी द्वारा तकनीकी सत्यापन 21,759 और रिम्बर्समेंट कार्यवाही पूर्ण 20 हजार 75 की हुई है। लोक शिक्षण संचानालय आयुक्त ने 30 नवंबर तक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

बीयू की राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ सहित 90 विद्यार्थी हुए शामिल

इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन टाइगर, कीटों के पकड़ने के वैज्ञानिक तरीके बताए

जैव विविधता पर संगोष्ठी का हुआ समापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में बुधवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। ऑनलाइन मोड पर आयोजित यह राष्ट्रीय संगोष्ठी बायोडायवर्सिटी कलेक्शन एंड इवैल्यूएशन विषय पर की गई। संगोष्ठी में डॉ. फैयाज खुदसर दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. शरद कुमार अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, डॉ. एम सेनराज जूलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया चेन्नई, और और डॉ. याहया बख्तियार कश्मीर यूनिवर्सिटी, विशेष वक्ता के रूप में शामिल हुए।

दो दिवसीय संगोष्ठी में लगभग 90 छात्रों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं शोधार्थियों को जैव विविधता में आने वाली विभिन्न प्रकार की मुख्य तकनीकों से अवगत कराना था। वक्ताओं ने इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन टाइगर, टाइगर सर्वे, कीटों के पकड़ने के वैज्ञानिक तरीके एवं मछलियों के अध्यन के वैज्ञानिक तरीकों के बारे में अपने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर बीयू के कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन एवं इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की कन्वीनर एवं विभागाध्यक्ष पर्यावरण एवं सरोवर विज्ञान विभाग डॉ. अभिलाषा भावसार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दिवा दंत चिकित्सा शिविर: कर्मचारियों, 130 शिक्षकों व विद्यार्थियों का हुआ निशुल्क परीक्षण

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग एवं तथास्तु मल्टीनेशनल हॉस्पिटल द्वारा कुलपति सचिवालय नर्मदा सभागार में संयुक्त निशुल्क दिवा दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ. आई. के. मंसूरी एवं तथास्तु हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ देवेंद्र तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर में लगभग 130 शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का निशुल्क परीक्षण एवं प्रारंभिक चिकित्सा की गई।

तनावपूर्ण जीवन शैली के कारण विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रहीं- जैन

इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन ने विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य के स्वास्थ्य ,शिक्षा एवं सुरक्षित भविष्य के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तनावपूर्ण जीवन शैली एवं कार्य भार के कारण विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रहीं है। छात्रों के साथ-साथ प्रत्येक कर्मचारी का भी स्वास्थ्य एवं भविष्य सुदृढ़ हो इसके लिए प्रयास जारी रहेंगे।

प्रकृति के विरुद्ध जाकर हम अपने और प्रकृति दोनों के लिए संकट पैदा कर रहे : डॉ. साहा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रकृति के विरुद्ध जाकर हम अपने और प्रकृति दोनों के लिए संकट पैदा कर रहे हैं। प्रकृति से जुड़कर ही प्रकृति को बचाया और संवारा जा सकता है। पेड़ों की सड़ी-गली पत्तियां और जैविक कचरा जिसे हम सफाई के नाम पर मिट्टी की ऊपरी परत से हटा देते हैं, वह सबसे अच्छी खाद होती है। यह बात भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. जयंत कुमार साहा नेराजधानी के शिवाजी नगर स्थित पीएम केंद्रीय विद्यालय क्र. 2 में बच्चों को संबोधित करते हुए कही। केवी-2 में जैविक ढंग से मिट्टी का संरक्षण और संवर्धन विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया।

रिड्यूस, रिसाइकल और रियूज से बचा सकते हैं धरती

इस सेमिनार में डॉ. साहा ने कहा कि फर्टिलाइजर का उपयोग धरती की नैसर्गिक उर्वरता को खत्म करता है। इसके स्थान पर वर्मी कम्पोज्ड का उपयोग हमारे और मिट्टी के, दोनों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। डॉ. साहा ने कहा कि रोजमर्रा में उपयोग होने वाले साबुन, शैंपू सहित अन्य कई सामान अपने हार्ड मेटल और हानिकारक केमिकल्स से मिट्टी की उर्वरा शक्ति को कम कर रहे हैं। प्राकृतिक जीवन शैली के साथ तीन 'आर' (रिड्यूस, रिसाइकल और रियूज) को अपनाकर हम अपनी धरती को बचा सकते हैं।

वर्मी कम्पोज्ड बनाने का बच्चों को दिया प्रशिक्षण

प्राचार्य पवन कुमार बेदुये ने बताया कि विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने और जागरूकता के उद्देश्य से इस सेमिनार का आयोजन किया गया। उप प्राचार्य अंजना धनराजू ने स्वागत भाषण में सेमिनार की उपयोगिता और आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

क्षय रोगियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बांटी फूड बास्केट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के मिसरोद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को रोगियों को फूड बास्केट का वितरण किया गया। अस्पताल प्रभारी बीके श्रीवास्तव ने बताया कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम 2025 के तहत निक्षय मित्र संस्था द्वारा निक्षय पोषण आहार योजना के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्षय रोगियों को फूड बॉस्केट का वितरण किया गया। करीब 10 क्षय रोगियों को फूड बास्केट बांटे गए। इस अवसर पर निक्षय मित्र सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर मानव अधिकार आयोग ने कई पत्र जारी किए फिर भी नहीं दिया जवाब

एक साल पुराने मामले में तत्कालीन डीईओ तोमर को नोटिस के साथ वारंट भी जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र मानव अधिकार आयोग में दर्ज 2022 के एक मामले में आयोग ने द्वारा बार-बार पत्र भेजने के बाद भी जवाब नहीं भेजने और पेश नहीं होने पर आयोग ने भोपाल के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी केपीएस तोमर को कारण बताओ नोटिस एवं पांच हजार रुपए का नामजद जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

नोटिस एवं वारंट की तामीली अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, (नगरीय) भोपाल, जिला भोपाल कराएंगे। तोमर को 21 दिसंबर 2023 को अनिवार्यतः आयोग में व्यक्तिशः आकर अपना स्पष्टीकरण व प्रतिवेदन देने के आदेश भी दिए गए हैं।

यह है पूरा मामला

आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, नानक कॉम्प्लेक्स, गोविन्दपुरा, भोपाल निवासी आवेदक अरविन्द कुमार नामदेव, सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापक ने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उनकी सेवानिवृत्ति के सात वर्ष बाद भी तृतीय समयमान वेतनमान, क्रमोन्नति वेतनमान समय पर नहीं देने के कारण उनको देय पेंशन में हो रहे आर्थिक नुकसान का भुगतान दिलाने की गुजारिश आयोग से की थी। शिकायत मिलते ही आयोग ने मामला दर्ज कर जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल से जवाब मांगा था। डीईओ को कई पत्र एवं स्मरण पत्र भी भेजे गये थे, फिर भी उनकी ओर से कोई भी जवाब नहीं मिला। मामले में आयोग ने आठ नवम्बर 2023 को आयोग कार्यालय में व्यक्तिशः आकर जवाब देने को कहा था। लेकिन तोमर नहीं पहुंचे। अब आयोग द्वारा तत्कालीन डीईओ तोमर को आयोग में उपस्थित न होने के कारण शो-कॉज नोटिस एवं व्यक्तिशः उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उनके विरुद्ध पांच हजार रुपए का नामजद जमानती गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया है।

सुविचार

`` यकीन तो सबको झूठ पर होता है सच तो अक्सर साबित करना पड़ता है..! ''

-अज्ञात

संपादकीय

जिद व जुनून से परे सोचने का वक्त

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में सत्रह दिन फंसे रहे मजदूरों की मुक्ति कई बार अंधीगति से दौड़ने वाले सरकारी दावों व योजनाओं के लिए ब्रेक लगाकर सोचने व समझने का संदेश लेकर आई है। इन श्रमिकों को बाहर निकालने में कामयाबी मिल गई,इसका मतलब यह भी नहीं कि पर्यावरणीय सलाहों,खतरों से ?बेफिक्र होकर आगे बढने का रास्ता मिला गया है। गौरतलब है कि सत्रह दिनों से इकतालीस मजदूर उसमें फंसे थे। शुरू में लगा था कि यह कोई ब?ी समस्या नहीं है और जल्दी उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। मगर जब राहत और बचाव का काम शुरू हुआ तब अंदाजा हुआ कि यह आसान काम नहीं है। सुरंग में गिरे मलबे को हटाने में हर कदम पर परेशानियां ख?ी होने लगीं। आखिरकार सुरंग के अगल-बगल से खुदाई की कोशिश हुई। उसमें भी कामयाबी नहीं मिल पाई। यहां तक कि खुदाई के लिए जो अत्याधुनिक और शक्तिशाली अमेरिकी आगर मशीन लगाई गई, वह भी टूट गई और उसके पुर्जे उसमें फंस गए। तब ऊपर से सीधी खुदाई करके श्रमिकों तक पहुंचने का रास्ता बनाया गया। उसमें भी आखिरी छोर तक पहुंच कर परेशानियां ख?ी हो गई। आखिरकार हाथ से खुदाई करके रास्ता तैयार किया गया। यह वह तरीका था,जिस पर प्रतिबंध लग चुका था, मगर उन्हीं रेट माइनर्स ने चौबीस घंटे में वह काम कर दिखाया जो सत्रह दिन से पूरा नहीं हो पा रहा था। हालांकि रेट माइनर्स के काम को मशीने काफी हद तक कर चुकी थीं लेकिन जहां मशीने जवाब देने लगीं वहां यह तकनीक कारगर हो गई। स्वाभाविक ही इस घटना पर पूरे देश की नजरें लगी रहीं और श्रमिकों के परिजनों और आम लोगों को इतने दिनों तक तरह-तरह की आशंकाएं घेरे रहीं। मगर अच्छी बात है कि राहत और बचाव में जुटे विशेषज्ञों ने हिम्मत नहीं हारी और सदा उम्मीद से भरे रहे। सिलक्यारा सुरंग के धंसने की यह घटना निश्चित रूप से सुरंग बनाने के काम में लगे विशेषज्ञों और कंपनियों के लिए भी एक सबक है। इसमें रेलवे से लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन तक जितने भी इस तरह के बचाव कार्य में विशेषज्ञता वाले विभाग हो सकते थे, सबकी मदद ली गई। केंद्र और राज्य सरकार लगातार इस पर नजर बनाए रहीं तथा बचाव कार्य में लगे लोगों का हौसला ब?ाती रहीं। मगर इसमें सबसे सकारात्मक बात यह रही कि सुरंग में फंसे श्रमिकों ने हिम्मत नहीं हारी और वे उस अंधेरी तंग सुरंग में जीवन की उम्मीद से भरे अपने बाहर निकाले जाने का इंतजार करते रहे। कई दिन बाद जब उन तक कैमरा पहुंचाया जा सका और उन सभी मजदूरों के सुरक्षित होने की सूचना मिली तो बचाव दल का उत्साह ब?ा। इस पूरे राहत और बचाव कार्य में जितनी ब?ी कामयाबी विशेषज्ञों की रही उससे ब?ी कामयाबी श्रमिकों के हौसले की थी। इतने दिन किस तरह के भय और आशंकाओं के बीच उन्होंने सुरंग में अपने को जिंदा रखा, यह ब? जीवट का उदाहरण है। लिहाजा यह श्रमिकों के हौसले की जीत है। मगर इस घटना के बाद जो एक ब?ा प्रश्नचिह्न विकास परियोजनाओं के सामने लग गया है, उस पर संजीदगी से सोचने का भी अब ब?ा मौका है। पहाड़ी इलाकों में बड़ी विकास परियोजनाएं कैसे चलाई जाएं इस पर सभी पक्षों को खुले दिल से विचार करना चाहिये। यदि जानकार इस पर सवाल उठाते हैं तो इससे जुड़ी चिंता भी समझना चाहिये, सरकारों को इसे किसी तरह का विरोध मानने की प्रवृति से बचना चाहिये। यदि पहाड़ कायम हैं तो बहुत सारे पारिस्थितकीय संतुलन भी कायम हैं,यदि इन्हें भेदकर रास्ता बनाने की जिद में कोई दूरगामी नुकसान हो रहा है तो अन्य विकल्पों पर काम करने में हर्ज क्या है।

कविता

मैं सन्नाटा हूं.....

तो पहले अपना नाम बता दूँ तुमको,
फिर चुपके चुपके धाम बता दूँ तुमको
तुम चौंक नहीं पड़ना, यदि धीमे धीमे
मैं अपना कोई काम बता दूँ तुमको।
कुछ लोग भ्रान्तिवश मुझे शान्ति कहते हैं,
कुछ निस्तब्ध बताते हैं, कुछ चुप रहते हैं
मैं शांत नहीं निस्तब्ध नहीं, फिर क्या हूँ
मैं मौन नहीं हूँ, मुझमें स्वर बहते हैं।
मैं सन्नाटा हूँ, फिर भी बोल रहा हूँ,
मैं शान्त बहुत हूँ, फिर भी डोल रहा हूँ
ये सर सर ये खड़ खड़ सब मेरी है
है यह रहस्य मैं इसको खोल रहा हूँ।

-भवानी प्रसाद मिश्र

आज का इतिहास

- **1731** - बीजिंग में भूकंप से लगभग एक लाख लोग मरे।
- **1759** - दिल्ली के सम्राट आलमगिर द्वितीय की उनके मंत्री ने हत्या की।
- **1939** - तत्कालीन सोवियत रूस ने सीमा विवाद को लेकर फिनलैंड पर आक्रमण किया।
- **1961** - तत्कालीन सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिये कुवैत के आवेदन का विरोध किया।
- **1965** - गुड़ियों का संग्रहालय दिल्ली की स्थापना मशहूर कार्टूनिस्ट के. शंकर पिल्लई ने की थी।
- **1997** - भारत-बांग्लादेश विवादित सीमा क्षेत्र में यथास्थिति बनाये रखने पर सहमत।
- **1999** - सं.रा. अमेरिका के उत्तर पश्चिम %सिएटल% में विश्व व्यापार संगठन का तीसरा अधिवेशन प्रारम्भ।
- **विश्व** के बड़े मीटर वेव रेडियो टेलीस्कोप का पुणे के समीप नारायण गांव में उदघाटन।
- **2000** - अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव मामले में अल गोर ने पुनर्मतगणना की अपील की।
- **प्रियंका** चोपड़ा मिस वर्ल्ड बनीं।
- **2001** - विश्व प्रसिद्ध पॉप गायक जार्ज हैरीसन का निधन।
- **2002** - आईसीसी ने जिम्बाव्वे में न खेलने वाले देशों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की चेतावनी दी।
- **2004** - बांग्लादेश की संसद में महिलाओं के लिए 45 प्रतिशत सीटों वाला विधेयक पारित।
- **2008**- मुम्बई में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार ने संघीय जाँच एजेंसी के गठन की घोषणा की। सरकार ने एसएटी रिजवी वेतन समिति का कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय लिया।
- **1989** - भक्ति शर्मा - भारतीय तैराक हैं।
- **1945** - वाणी जयराम- प्रसिद्ध भारतीय पार्श्वगायिका थीं। उन्हें आधुनिक भारत की मीरा भी कहा जाता है।
- **1944** - मैत्रेयी पुष्पा - हिंदी की प्रसिद्ध साहित्यकार हैं।

दक्षिण का रुझान बताएगा तेलंगाना का सियासी मिजाज

वेद विलास उनियाल

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के आखिरी दौर में अब तेलंगाना पर सबकी निगाह है। दक्षिण के इस राज्य में इस बात को लेकर कौतूहल है कि बीआरएस के नेता कल्वा कुंतला चंद्रशेखर राव यानी केसीआर अपनी हैट्रिक बनाते हैं या कांग्रेस का सत्ता परिवर्तन का नारा बुलंद होता है। तेलंगाना की सियासत कई तरह की ऊहापोह के बीच झूलती रही। कभी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विकल्प के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सामने दिखी तो फिर बदली परिस्थितियों में कांग्रेस पार्टी ने अपनी धमक दिखाई। तेलंगाना की जमीन पर खड़े होकर केसीआर ने राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का नेतृत्व करने के मंसूबे भी संजोए। तेलंगाना में इसी बात पर अटकलें लगती रही कि भाजपा बीआरएस के साथ गठबंधन करेगी या फिर तेलुगू देशम को साथ जोड़ेगी। नाटकीय फेरबदल में भाजपा ने दोनों से अलग जनसेना पार्टी के साथ गठबंधन किया। तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव ने अपनी पार्टी बीआरएस को राज्य में मजबूत आधार दिया है। केसीआर कभी एनटीआर और फिर चंद्रबाबू नायडू के मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुके हैं। लेकिन सधे हुए राजनेता की तरह वह अलग तेलंगाना की आवाज को उठाते रहे। साल 2014 में राज्य गठन के बाद पहले चुनाव हुए तो केसीआर का जादू चला और उनकी पार्टी राज्य में 63 सीटें जीतने में कामयाब रही। पांच साल बाद केसीआर का करिश्मा था कि पार्टी ने 15 सीटों की और बढ़ोतरी की। इस बार फिर केसीआर हैट्रिक बनाने के लिए राज्य के ओर-छोर नाप रहे हैं। हालांकि इस दौर के बीच केसीआर पर परिवारवाद को बढ़ावा देने और सरकार के भ्रष्टाचार में घिरने के आरोप लगते रहे हैं।

राज्य में एंटी इनकमबेंसी को भांपते हुए मुख्यमंत्री केसीआर ने सरकार की योजनाओं-उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए काफी कोशिश की है। सत्तारूढ़ बीआरएस प्रमुख केसीआर ने खुद को चुनाव प्रचार में इस तरह झोंका हुआ है कि जिन दो सीटों पर वह खुद चुनाव लड़ रहे हैं वहां प्रचार के लिए ज्यादा समय नहीं निकाल पाए। केसीआर गजवेल और कामारेड्डी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि बीसीआर का संगठन कांग्रेस व भाजपा की तुलना में काफी मजबूत है। लेकिन पार्टी एंटी इनकमबेंसी की आशंका को भी समझ रही है। खास बात यह कि गजवेल की सीट पर उन्हें चुनौती देने वाले भाजपा के इटाला राजेंद्र कभी तेलंगाना आंदोलन में उनके साथ थे। बाद में वह मंत्री भी बने। वहीं रेवड़ी बांटने की होड़ तेलंगाना में भी दिखी। बीआरएस ने 400 रुपये में सिलेंडर ,पांच लाख का मुफ्त बीमा, गरीब लड़कियों के विवाह में एक तोला सोना के साथ अपनी योजनाओं का जिक्र कर मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की है। तेलंगाना में बीआरएस ने रयथु बंधु आसरा पेंशन व रयथु भीम जैसी योजनाएं चलाकर बुजुर्गों, युवकों, महिलाओं, बीड़ी मजदूरों, आदिवासियों को साधने की कोशिश की है। वहीं यहां टीडीपी या आईएमआईएम जैसी पार्टियां सीमित दायरे में हैं। टीडीपी पहले चुनाव में जहां 15 सीटें जीती थी, वहीं 2018 में उसे केवल दो सीटें मिलीं।कहा जा सकता है कि कर्नाटक के चुनाव परिणाम से तेलंगाना की सियासत काफी प्रभावित हुई है। कर्नाटक में जिस तरह सफलता मिली उसके बाद कांग्रेस ने तेलंगाना पर काफी फोकस किया। एक समय भाजपा को बीआरएस के सामने प्रमुख पार्टी माना जा रहा था। लेकिन कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान से और दूसरी तरफ भाजपा की राज्य में असमंजस की सियासत के चलते कांग्रेस मुख्यधारा में आ गई। एक समय यह भी माना जा रहा था कि भाजपा राज्य में बीआरएस से समझौता कर सकती है, खासकर तब जब राज्य भाजपा के फायर ब्रांड नेता बंडी संजय को हटाकर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को प्रदेश संगठन का नेतृत्व दिया गया।

कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में 18 सीटें हासिल की थी। साथ ही उसे 28.43 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। लोकसभा चुनाव में उसके हिस्से तीन सीटें आई और उसका मत प्रतिशत डेढ़ तक बढ़ा। बदली परिस्थितियों में कांग्रेस मान रही है कि कर्नाटक की तरह जातीय समीकरण उसके पक्ष में होंगे। जहां मुस्लिमों को वह अपने साथ मान रही है वहीं रेड्डी समुदाय को प्रभावित करना चाह रही है। यह भी कि आदिवासी दलित उसके साथ जुड़े तो नया गुल खिल सकता है। पार्टी के लिए स्टार प्रचारकों ने जमकर प्रचार किया है। हर चुनावी राज्य की तरह कांग्रेस ने यहां भी मतदाताओं को सात गारंटियां दी हैं।

भाजपा के रणनीतिकारों ने भी तेलंगाना पर काफी प्रयोग किए। आखिर में पार्टी ने यही निर्णय लिया कि वह राज्य में बीआरएस के विरोधी दल के तौर पर दिखे। अमित शाह ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार में घिरे होने के आरोप लगाए। लेकिन यह भी माना जा रहा कि भाजपा राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजों को यहां बहुत अहमियत नहीं दे रही है। भाजपा का फोकस 2024 के लोकसभा चुनाव पर है। साल 2018 में भाजपा को केवल एक सीट हासिल हुई थी। लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा ने चार सीटें हासिल की। साथ ही उसका मत प्रतिशत 19.65 हो गया। खासकर ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन में 48 सीट जीतने के बाद भाजपा की आशाएं बढ़ी। पार्टी ने कांग्रेस और बीआरएस के कुछ नेताओं को अपने से जोड़ने में सफलता पाई। फिर एकाएक भाजपा धीमी हो गई। बहरहाल, भाजपा की कोशिश यहां लोकसभा के पिछले रिकार्ड को बनाए रखने की है। भाजपा ने लोकसभा में जीतने वाले चार सांसदों में तीन को विधानसभा चुनाव लड़ाया है।आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को पिछले दोनों चुनाव में सात-सात सीटें मिली थीं। इस बार उनकी पार्टी नौ सीटों पर ही लड़ रही है। राज्य में मुस्लिम करीब 12 प्रतिशत हैं। राज्य में मतदाताओं को तीसरी बार जनादेश देना है। दक्षिण के राज्य तेलंगाना के नतीजे कई तरह के संकेत देंगे।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

रमेश शर्मा

विख्यात शिक्षाशास्त्री, पत्रकार और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी काका कालेलकर का जन्मदिवस कल

राजनीतिक संघर्ष के साथ स्वाभिमान और सामाजिक जागरण अभियान रहा लक्ष्य

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में कुछ सेनानी ऐसे भी हैं जिन्होंने अपना संघर्ष केवल राजनैतिक अथवा अंग्रेजों से मुक्ति तक ही सीमित न रखा अपितु उन्होंने जीवन भर स्वाभिमान और सामाजिक जागरण का अभियान चलाया । काका कालेलकर ऐसे ही स्वाधीनता सेनानी थे जिन्होंने शैक्षणिक और आर्थिक स्तर भी समाज के उत्थान का अभियान चलाया।

उनका जन्म 1 दिसम्बर 1885 को महाराष्ट्र के सतारा में हुआ था । उनक परिवार मूल रूप से कर्नाटक के करवार जिले का रहने वाला था । लेकिन पहले महाराष्ट्र और फिर गुजरात आकर बस गया था । उनके पिता बालकृष्ण कालेलकर एक शिक्षाविद् और आध्यात्मिक व्यक्ति थे । वे भगवान दत्तात्रेय के अनुयायी थे इसलिये उन्होंने अपने पुत्र का नाम दत्तात्रेय ही रखा । लेकिन आगे चलकर दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर काकासाहब कालेलकर के नाम से प्रसिद्ध हुये । उनकी प्रारंम्भिक शिक्षा महाराष्ट्र में और बाद की उच्च शिक्षा गुजरात में हुई । उनका मराठी, गुजराती, हिन्दी और अंग्रेजी सहित दक्षिण भारत की अनेक भाषाओं पर अधिकार था । उनका आरंभिक लेखन गुजराती में हुआ । और फिर अन्य भाषाओं में भी । लेकिन वे हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के पक्षधर थे । इसके लिये उन्होंने देश व्यापी अभियान भी चलाया । वे हिन्दी प्रचार सभा से जुड़े थे और उन्होंने दक्षिण भारत में हिन्दी के समर्थन में वातावरण बनाया

काका कालेलकर राष्ट्रीय मराठी डेली के संपादकीय विभाग से जुड़े और यहाँ से उनका पत्रकारीय जीवन आरंभ हुआ । इसके बाद 1910 में वे गंगानाथ विद्यालय में शिक्षक बने । लेकिन 1912 में अंग्रेज सरकार ने स्कूल को बंद करवा दिया । गुजरात से महाराष्ट्र तक की अपनी जीवन यात्रा में उन्होंने भारतीय जनों की दुर्दशा देखी । उन्हें अंग्रेजों पर गुस्सा बहुत आता था । इसलिए वे सशस्त्र क्रान्ति के समर्थक थे । पर चाहते थे कि भगवान जी भारतीय समाज को शक्ति प्रदान करें जिससे भारत स्वतंत्र हो सके । प्रभु की आराधना के लिये वे 1912 में हिमालय की ओर चल दिये । लगभग तीन वर्ष तक वे पैदल ही विभिन्न क्षेत्रों में गये । न केवल भारत के विभिन्न भागों में अपितु म्यांमार भी गये । इसी यात्रा में उनकी भेंट आचार्य कृपलानी से हुई और उनकी सलाह पर गाँधी से मिलने शाँति निकेतन पहुँचे। गाँधी जी ने उनकी ऊर्जा को अहिसंक आँदोलन और सामाजिक जागरण में लगाने की सलाह दी । गाँधी जी के आग्रह पर काका साहब साबरमती आश्रम विद्यालय के प्राचार्य बन गये । गाँधी जी इनके अनुभवों के आधार पर %बेसिक शिक्षा% की योजना बनाई । 1928 से 1935 तक %गुजरात विद्यापीठ% के कुलपति रहे। 1935 में वर्धा आये और हिन्दी के प्रचार के कार्य में लग गये । अपनी बौद्धिक सामर्थ्य, विलक्षण बुद्धि और व्यापक अध्ययन की साख चारों ओर फैली । उनकी गणना प्रमुख अध्यापकों और व्यवस्थापकों में होने लगी और यहीं उन्हें काकासाहब का संबोधन मिला । हिंदी-प्रचार के कार्य में जहाँ कहीं कोई दोष दिखाई देते या हिन्दी प्रचार कार्य की प्रगति में कोई अवरोध आता तो गांधी जी इनको ही जाँच के लिए भेजते। %राष्ट्रभाषा प्रचार समिति% की स्थापना के बाद हिंदी-प्रचार की व्यवस्था के लिए गांधी जी ने काका कालेलकर को गुजरात भेजा । साहित्य अकादमी में काका साहब गुजराती भाषा के प्रतिनिधि रहे। गुजरात में हिंदी-प्रचार को जो सफलता मिली, उसका मुख्य श्रेय काका साहब को है। उन्होंने मराठी गुजराती और हिन्दी में विपुल साहित्य रचना की। जीवन मानों हिन्दी के लिये समर्पित कर दिया । उनके आलेखों में और व्याख्यान में स्वत्व और स्वाभिमान जागरण का संकेत होता और यह भी कि स्वभाषा के बिना स्वाभिमान जागरण कैसे होगा । स्वतंत्रता के 1952 में उन्हें राजसभा सदस्य मनोनीत किया गया । उनके द्वारा रचित जीवनङ्क्यवस्था नामक निबन्धङ्कसंग्रह के लिये 1965 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। लेखन में उनकी भाषा शैली बड़ी सजीव और प्रभावशाली और उपदेशात्मक है । जिसमें लगभग सभी विधाएँ व्यंग्य, हास्य, गद्य और पद्य सभी तत्व विद्यमान हैं।

उनकी लगभग 30 पुस्तकें प्रकाशित हुई उनमें %स्मरण-यात्रा%, %धर्मोदय% %हिमालयनो प्रवास%, %लोकमाता% %जीवननो आनंद%, %अवरनावर% बहुत प्रसिद्ध हुई । उनकी अधिकांश रचनाएँ लोक जीवन पर आधारित थीं जिसमें जीवन और समाज निर्माण का संदेश होता था । इस प्रकार समाज जीवन के सकारात्मक निर्माण के लिये समर्पित काकासाहब कालेलकर ने 21 अगस्त 1981 को संसार से विदा हुये ।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

नर्मदा क्षेत्र में शराब की दुकान बंद करवाने का परिणाम, अब गली-गली बिक रही है शराब

कानून और कानून के रखवालों की कर्तव्य निष्ठा पर उठ रहे सवाल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

वर्ष 2016 में नर्मदा सेवा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़े हर्ष के साथ घोषणा की थी कि नर्मदा नदी से 5 किलोमीटर के दायरे में कोई भी शराब की दुकान नहीं रहेगी। नर्मदा के प्रति उनकी भक्ति का नागरिकों ने सम्मान किया और उन्हें इस काम के लिए बधाई का पत्र भी माना लेकिन मुख्यमंत्री ने शायद सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यह कदम उठाने पर उन्हें शाबाशी की जगह जनता द्वारा लानत भेजी जाएगी। क्योंकि नर्मदा पुरम सहित कई शहर गांव ऐसे हैं जो नर्मदा नदी से 5 किलोमीटर के दायरे में है। इन स्थानों में आज गली-गली शराब बिक रही है। यह शराब कहां से आ रही है यह बेचने वाले भी जान रहे हैं और बिकवाने वाले भी जान रहे हैं।

नर्मदा पुरम नगर के जितने भी वार्ड है उन वार्ड में एक नहीं बल्कि दो-दो शराब माफिया अबैध शराब का धंधा कर रहे हैं।

अवैध रूप से बिकने वाली यह शराब या तो संबंधित विभाग के कुछ अधिकारी द्वारा बिकवाई जा रही है जिन्हें अबैध धन की अधिक लालसा है। और कुछ इसी तरह के अवैध कारोबार कराके आबकारी जैसे विभाग के अधिकारियों के पास अटूट संपत्ति का खजाना भरा पड़ा है।

नर्मदा पुरम में पदस्थ रहे एक आबकारी अधिकारी पर जब लोकायुक्त का छापा पड़ा तो करोड़ों की संपत्ति उजागर हुई। यह संपत्ति उन्होंने कहां से कमाई? कुछ इसी तरह के अवैध धंधे चला कर वरना पैसा पेड़ पर नहीं लगता।

सरकार को रेवेन्यू देने के लिए विभाग द्वारा कई तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं। उनमें से एक हथ कंडा कुछ इस तरह की अवैध शराब कारोबार से भी जुड़ा हुआ है।

नर्मदापुरम के कोठी बाजार क्षेत्र में जहां सब्जी बाजार है वहाँ नगर पालिका ने सब्जी वालों को बैठने के लिए सेड़ का निर्माण कराया है। वहां सब्जी विक्रेता कम बल्कि दिनभर शराब की बिक्री होती रहती है। आस-पास कुछ गुमटियों में बैठकर लोग शराब पीते हैं।

सदर बाजार में देवा माई की समाधि के पास भी वर्षों से शराब बिक रही है। कुछ दिनों पूर्व एक अधिकारी द्वारा इसे पकड़ा गया लेकिन लेन देन करने के बाद छोड़ दिया गया। अब शराब माफिया का कहना है जितना पैसा मैंने दिया है उतना तो मैं दो-चार दिन में वसूल लूंगा। और वह वसूलने लगा है। दिन भर अपनी स्कूटर इमली के पेड़ के नीचे खड़ी करके धार्मिक स्थल पर धड़ल्ले से शराब बेच रहा है। कुछ कानून के रखवालो को भी पता है लेकिन गर्म जेब किसको बुरी लगती है। यदि कानून और कानून के रखवाले ठान ले तो दावा है कि नगर में एक भी जगह अवैध शराब की बिक्री होना संभव नहीं है।

आबकारी विभाग आज तक यह नहीं बता पाया कि अवैध शराब कहां से आ रही है।

जब भी कोई अबैध शराब का विक्रेता शराब बेचते हुए या शराब का परिवहन करते हुए पकड़ा जाता है तो विभाग के अधिकारी शराब माफिया और पकड़ी गई शराब के साथ फोटो खिंचवाने के लिए ऐसे खड़े हो जाते हैं जैसे उन्होंने कोई तीर मार लिया हो। अबैध शराब पकड़ना आबकारी विभाग का काम है पुलिस का काम है। इसके लिए सरकार से उनको वेतन मिलता है हैरत की बात तो यह है कि जब भी कोई अवैध शराब की बरामदगी होती है तो आरोपी का नाम, उसके पास से कितनी बल्क लीटर शराब बरामद की गई, किस स्थान से शराब बरामद की गई आदि इस सब का वकायदा विवरण होता है। लेकिन आज तक किसी भी अधिकारी ने उस शराब माफिया से यह नहीं पूछा कि यह शराब वह कहां से लेकर आया है। जाहिर है जिसके पास शराब बरामद हुई वह शराब घर तो बनाने से रहा। उसने कहीं ना कहीं से शराब खरीद कर लाया होगा। क्या उससे यह पूछना उचित नहीं कि यह शराब तूने कहां से लेकर आया है? किस फैक्ट्री से लेकर आया है? किस दुकान से लेकर आया है।? ऐसे सवाल उस शराब विक्रेता से क्यों नहीं पूछे जाते हैं। इसका सीधा-साधा जवाब यह है कि जब रक्षक ही भक्षक है तो सवाल किससे करें। आबकारी विभाग को भी पता है कि यह शराब कहां से लेकर आया है। इसीलिए विभागीय अधिकारी कभी भी अवैध शराब विक्रेता से यह नहीं पूछते कि यह शराब तूने कहां से लेकर आया है।

नेता और पढ़ा -लिखा तबका भी लगा है अवैध शराब के व्यवसाय में

सही मायने में कहा जाए तो पढ़ा लिखा तबका और नेता वर्ग ही अवैध कामों को हवा देने के लिए जिम्मेदार है। इन लोगों की सेटिंग संबंधित विभाग और शराब बेचने वाले व्यवसायियों से होती है। यह लोग शराब उठाकर कुछ ऐसे बेरोजगारों के हाथ में सौंप देते हैं जो आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे है। गत वर्ष एक पार्टी के नेता के घर से लाखों की अवैध शराब बरामद हुई थी।यह नेता अपनी पत्नी को नगर पालिका अध्यक्ष भी बनवाना चाहता था इसके लिए उन्होंने कुछ प्रचार तंत्र के माध्यम से पत्नी के पक्ष में समाचार भी छपवाए। हालांकि उस पार्टी के जिला अध्यक्ष को पता था कि इसका पति अबैध शराब का धंधा करता है तो उन्होंने उसे पार्षद की टिकट देना भी मुनासिब नहीं समझा। जब उस शराब माफिया को आबकारी द्वारा घर से खींच के लाया गया और कंट्रोल कार्यालय के सामने शराब की पेटी रखकर उसकी फोटो खींची गई तब जमाने को मालूम पड़ गया कि राजनेता लोग क्या-क्या कर रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया खेलकूद प्रतियोगिता में

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

जनपद शिक्षा केन्द्र सिवनीमालवा द्वारा समग्र शिक्षा अभियान अन्तर्गत विकासखण्ड स्तरीय विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सामर्थ प्रदर्शन के लिये खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विघालय सिवनीमालवा प्रांगण में किया गया। जिसमें विकासखण्ड के दिव्यांग बच्चों ने सभी गतिविधियों में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता में दिव्यांग बच्चे, उनके अभिभावक अथवा संबंधित शाला के शिक्षक एवं समस्त बीआरसी स्टॉफ सीएसी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्याम सिंह रघुवंशी एवं बीआरसीसी सन्तोष कुमार शर्मा द्वारा प्रातः 11 बजे माता सरस्वती के पूजन अर्चन से किया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में दिव्यांग छात्र-छात्राओं से प्रेम पूर्वक एवं समानता का व्यवहार करते हुए शासन द्वारा प्रदत्त विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने में समाज के प्रत्येक तबके एवं शासकीय अमले की भागीदारी सुनिश्चित कर उनके उज्वल एवं सुखी जीवन हेतु प्रयासरत रहने हेतु सभी लोगों को निर्देश दिए।

खेल प्रतियोगिताओं में 73 छात्र छात्राओं ने भाग लिया प्रारम्भ में 100 मीटर दौड़,चम्मच दौड़, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । तदुपरांत दिव्यांग बच्चों एवं अभिभावकों को भोजन कराया गया। मध्यान्तर उपरांत रंगोली, चित्रकला एकल नृत्य,एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीआरसी संतोष कुमार शर्मा द्वारा शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग छात्रों की विभिन्न समस्याओं से मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अवगत कराया साथ ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती चौधरी की कार्यशैली की चर्चा उपस्थित लोगों से की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिवनीमालवा द्वारा सहज भाव से समस्त समस्याओ का निराकरण यथाशीघ्र पूर्ण करवाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिवनीमालवा श्रीमती श्रुति चौधरी द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को शासन की हर योजना से लाभान्वित कराने का संकल्प लिया सभी दिव्यांग् बच्चों को समाज मे समानता के भाव रखने हेतु अपने विचार प्रकट किए कार्यक्रम में पारितोषक वितरण कर- सभी दिव्यांग बच्चों को अपने ग्राम से प्रतियोगिता स्थल तक आने जाने हेतु परिवहन भत्ता दिया गया। 4.30 बजे कार्यक्रम समाप्त हुआ,विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम स्थान द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्रा को मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पुरुस्कार प्रदान किए गए । विशेष प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा भी शिक्षण विधाओं का प्रदर्शन कर शिक्षको छात्रों एवं अभिभावकों को भी प्रोत्साहित किया गया।

सभी प्रथम स्थान प्राप्त बच्चों की जिला स्तरीय प्रतियोगिता विश्व दिव्यांग दिवस पर आगामी माह में आयोजित होगी। कार्यक्रम में आभार उद्बोधन बीआरसी श्री शर्मा द्वारा दिया गया कार्यक्रम में एमआरसी श्रीमती पूर्णिमा त्रिपाठी विकास खण्ड स्रोत समन्वयक संतोष कुमार शर्मा सहित सभी जनशिक्षक शिक्षक एवम पालक उपिस्थित रहे।

कक्षा नर्सरी से पांचवी तक के स्कूल प्रात: 9 बजे से पहले नहीं होंगे संचालित

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार विद्यार्थियों के स्वास्थ्य सुरक्षा के दृष्टिगत सभी स्कूलों के संचालन के समय में परिवर्तन किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री शत्रुंजय सिंह बिसेन ने बताया कि नर्मदापुरम अन्तर्गत शीतकालीन मौसम प्रारंभ होने तथा तापमान में गिरावट के दृष्टिगत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार जिले की कक्षा नर्सरी से कक्षा 5 वी तक समस्त शासकीय/ अशासकीय/ सी.बी.एस.ई./आई.सी.एस.ई. आदि समस्त प्रकार की शैक्षणिक संस्थाए प्रातः 09:00 बजे से पहले संचालित नहीं होगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

मतगणना दिवस 3 दिसंबर को शुष्क दिवस घोषित

नर्मदापुरम। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार 3 दिसम्बर 2023 अर्थात मतगणना के दिन जिले के समस्त चारों विधानसभा क्षेत्रों में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतगणना के लिए सूखा दिवस अर्थात ड्राय डे घोषित किया गया है। उक्त अवधि में जिले की समस्त कंपोजिट मदिरा दुकान/देशी/विदेशी, मदिरा भंडारगारो से मदिरा का विक्रय एवं परिवहन प्रतिबंधित रहेगा। शुष्क दिवस अर्थात ड्राई डे के दौरान किसी भी फुटकर बिक्री की दुकान होटल, बार, रेस्टोरेंट और मदिरा बेचने/परोसने वाले अन्य प्रतिष्ठानों द्वारा किसी भी व्यक्ति को मदिरा बेचने/ परोसने पर रोक रहेगी। साथ ही साथ गैर मलिकाना क्लब होटल रेस्टोरेंट आदि पर भी मदिरा परोसने की तथा मदिरा के व्यक्तिगत भंडारण आदि पर रोक रहेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने पुलिस, समस्त रिर्टनिंग ऑफिसर, सेक्टर अधिकारियों, आबकारी अधिकारी ,एफएसटी टीम, को निर्देशित किया है कि वे उक्त दिवसों में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशानिर्देशो का अक्षरशः पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।

मतगणना के दृष्टिगत कलेक्टर ने धारा 144 के तहत जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

रायसेन, दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा पूर्व में दिनांक 09 अक्टूबर 2023 को जारी आदेश के तहत वर्तमान में सम्पूर्ण रायसेन जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हैं। जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान की मतगणना दिनांक 03 दिसम्बर को रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना के समय कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं मतगणना स्थल पर मतगणना से संबंद्ध अधिकारियों, कर्मचारियों को डराने धमकाने एवं अनुचित घटनाओं की रोकथाम के लिए दण्ड प्रक्रिया संस्था 1973 की धारा 144 के अंतर्गत मतगणना हेतु रायसेन शहरी क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। जिसके तहत कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों जैसे, वाट्सएप, फेसबुक, हाईक, ट्विटर, एसएमएस इंस्ट्राग्राम, इत्यादि का दुरूपयोग कर जातिगत, धार्मिक, सामाजिक भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने या उत्तेजित करने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण अथवा फारवर्ड नहीं करेगा। इसी प्रकार कोई व्यक्ति बिना परिचय पत्र, वैद्य आदेश के मतगणना परिसर में प्रवेश नहीं करेगा। कोई व्यक्ति बंदूक, विस्फोटक सामग्री, किसी भी प्रकार अग्नेय शस्त्र तथा प्राण घातक धारदार हथियार लेकर मतगणना स्थल एवं सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शन नही करेगा (सुरक्षा से संबंधित कर्मचारियों एवं प्राधिकृत व्यक्तियों को छोड़कर)। इसी प्रकार दिव्यांग तथा वृद्ध व्यक्तियों के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति मतगणना स्थल एवं सार्वजनिक स्थान पर लाठी, डंडे लेकर नही घूमेंगा। मतगणना स्थल एवं सार्वजनिक स्थान पर कोई भी व्यक्ति अथवा व्यक्ति समूह साम्प्रदायिकता, जातिगत विद्वेष भड़काने वाले भाषण नहीं करेगा।

आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे विधानसभा निर्वाचन के परिणाम

नर्मदापुर। विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए 17 नवम्बर को हुए मतदान के पश्चात 3 दिसंबर को मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया 3 दिसम्बर 2023 को प्रात- 8 बजे से प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी। मतगणना के राउन्ड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रात- 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी।पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https:// results.eci.gov.in और वोटर हेल्पलाइन एप (VHA) पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। इसके अलावा https:// ceomadh yapradesh. nic.in पर भी मतगणना के परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे।

मेट्रो एंकर मतगणना 3 दिसंबर को मतगणना प्रक्रिया का किया गया पूर्व अभ्यास

कलेक्टर व एसपी ने मतगणना व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत मतगणना 3 दिसंबर को संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम में संपन्न की जाएगी। बुधवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह की उपस्थिति में मतगणना प्रक्रिया का पूर्व अभ्यास किया गया। जिसमें मतगणना केंद्र पर मतगणना अधिकारी /कर्मचारियों , मतगणना अभिकर्ता एवं अभ्यर्थियों का प्रवेश , स्ट्रॉन्ग रूम खोले जाकर कर्मचारियों द्वारा पोस्टल बैलट एवं ईवीएम मशीन का चारों विधानसभाओं के निर्धारित मतगणना कक्ष तक लाया जाना। रिटर्निंग अधिकारी, माइक्रोआब्जर्वर, मतगणना अभिकर्ता की बैठक ,निर्धारित टेबिलो पर मतगणना ,विभिन्न प्रारूपों में मतगणना संबंधी जानकारी भरे जाना इत्यादि का पूर्व अभ्यास किया गया।

कलेक्टर एवं एसपी ने सभी विधानसभाओं के मतगणना कक्ष का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कंट्रोल रुम, इनकार रुम, मीडिया कक्ष पर भी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारी, मतगणना में नियुक्त सभी अधिकारी कर्मचारी और नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए मतगणना संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि विधानसभा निर्वाचन की मतगणना 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू होगी। सुबह 8-30 बजे से ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। उन्होंने मतगणना के दिन विद्युत की सतत् आपूर्ति हो और किसी भी वजह से मतगणना कार्य प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएँ सुचारू तरीके से उपलब्ध रहें। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरण सिंह ने मतगणना केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखे जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत , अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह सहित सभी नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

घने कोहरे के बाद अब मूसलाधार बारिश, लाइट जलाकर चलाने पड़े वाहन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले तीन दिनों से मौसम में हुए बदलाव के बाद आसमान पर बादलों का डेरा है हल्की बूंदाबांदी 3 दिन पहले हुई थी। घने कोहरे के कारण आसपास का भी नजर नहीं आ रहा था इसके चलते वाहन चालकों को वाहनों की लाइट का सहारा लेना पड़ा आज सुबह सुबह से ही मूसलाधार पानी भी गिर रहा है इसकी वजह से सर्दी का असर भी पड़ गया ओर अभी तो बादलों का डेरा आसमान पर है। जब मौसम पूरी तरह से साफ होगा तो और भी ज्यादा कोहरा पढ़ने के साथ सर्दी भी बढ़ेगी। इस बारिश से किसानों को फायदा और फसलों को काफी फायदा हुआ है

मौसम खराब होने से स्कूल के समय में हुआ बदलाव

तीन दिनों से मौसम खराब होने के साथ बारिश हो रही है सर्दी के असर को देखते हुए कलेक्टर ने भी स्कूलों के समय में बदलाव करते हुए नर्सरी से लेकर कक्षा पांचवी तक स्कूल प्रारंभ करने का समय सुबह 9 बजे से कर दिया गया है। अभी स्कूलों का समय 8 बजे से होने के कारण सर्दी की वजह से बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही थी उसको दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने नवीन आदेश जारी किया है। अब कलेक्टर के आदेश का पालन विकासखंड के मुखिया कर पाएंगे या नहीं यह तो देखने वाली बात होगी।

कब्रस्तान की भूमि पर एसडीएम न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

50 साल बाद राजस्व अभिलेखों में मिला कब्रस्तान को दर्जा

एडवोकेट शोएब खान रजी खान की मेहनत लाई, रंग तार फैंसिंग का काम शुरू

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हाल ही में सिरोंज एसडीएस न्यायालय से म.प्र.वक्फ बोर्ड को एक बड़ी जीत हासिल हुई जिसमें तालाब के पार से थाने के सामने होते हुए पूर्व रेंज आफिस के सामने तक स्थित मुस्लिम समाज के चालू कब्रस्तान अब निजि व्यक्तियों के नाम से हटकर कब्रस्तान अहस्तांरणीय मध्यप्रदेष वक्फ बोर्ड भोपाल के नाम दर्ज हो गए है ज्ञात हो कि सालो पहले मुबीन शाह एवं उनकी पत्नि मेमूना बी ने पहले अपने नाम कराकर अपने बच्चो के नाम नामांतरण करा दिया था जिसे लगातार बेचने का प्रयास भी किया जा रहा था पर अब वक्फ कमेटी की मेहनत रंग लाई इस फेसले से कब्रस्तान की भूमि सुरक्षित हुई।

जिला वक्फ कमेटी के जिला सह सचिव डॉ रजी खान ने बताया कि एडवोकेट मुष्ताक खान, एडवोकेट शोएब खान , के सहयोग से वक्फ बोर्ड की इस प्रकरण में ऐतिहासिक जीत मिली। तालाब की पार स्थित कब्रस्तान एवं उसकी पड़ती भूमि लगभग 50 साल से वक्फ बोर्ड में दर्ज होने के बाद भी राजस्व अभिलेखों में दर्ज नही हो सकी थी जिस कारण उक्त भूमि खरीद फरोख्त की जा रही थी परंतु तहसील वक्फ कमेटी के द्वारा इस मामले को मध्य प्रदेष वक्फ बोर्ड के चैयरमेन डॉ.सनवर पटेल एवं वक्फ बोर्ड सीईओ शाकिर अली जाफरी , जिला अध्यक्ष अययुब कुरैषी के सज्ञान मे लाकर आवश्यक दस्तावेज जुटाकर कुछ माह पूर्व एसडीएम न्यायालय में मेमूना बी एवं उनके पुत्र पुत्रीयों के नाम हुए नामांतरण एवं उनके द्वारा बेची गई वक्फ संपत्ति का नामांतरण निरस्त करने का प्रकरण दर्ज कराया था जिस पर एसडीएम न्यायालय द्वारा संबंधित को नोटिस जारी कर जवाब तलब होने के बाद उपलब्ध दस्तावेजो के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी द्वारा उक्त तालाब की पार स्थित चालू कब्रस्तान को म.प्र.वक्फ बोर्ड के नाम दर्ज करने के आदेष जारी कर दिए गए है।

भूमि स्वामी बन गए थे मुतावल्ली

कब्रस्तान की इसी भूमि पर कब्रो को क्षति पहुंचाकर कब्रो पर रखी गुमठीयों को अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी द्वारा गत कुछ माह पूर्व हटवाया गया था हांलिक पूर्व में इस कब्रस्तान के लिए उत्तर प्रदेष के पूर्व मंत्री आजम खान की पत्नि तनजीम फातमा की सांसद निधि से बांण्डड्रीवाल के लिए भी पैसा आया था परंतु उस समय भूमि स्वामी का विवाद आने के कारण यह सांसद निधि लेप्स हो गई थी। सिरोंज तालाब के पार स्थित कब्रस्तान की भूमि 1972 से म.प्र.वक्फ बोर्ड में दर्ज है जिसके मुतावल्ली मुबीन शाह थे परंतु उनके द्वारा राजस्व रिकार्ड में खुद को भूमि स्वामी लिखवा दिया गया जिसके बाद उक्त भूमि उनकी पत्नि मेमूना बी के नाम कर दी गई मेमूना बी और बच्चे सिरोंज एवं सीहोर में रहते थे । 2011 में मेमूना बी ने अपने बच्चों युसूफ ,जरीना बी आदि के नाम करदी थी कुछ भूमि बेच दी गई थी । जिसके बाद से ही कब्रस्तान की उक्त भूमि जो तालाब के पार से होती हुई थाना एवं रेंज के सामने स्थित है पर गुमठीया रखवाकर संबंधित मेमूना बी एवं उनके परिवार द्वारा किराया वसूल किया जा रहा था पर कब्रस्तान की कब्रो को पहुंच रही क्षति पर भी उनका ध्यान नही था । गौरतलब है कि इतने साल गुजर जाने के बाद भी वक्फ बोर्ड में यह भूमि दर्ज होने के बाद भी अब तक इस संबंध में कोई ठोस कार्यवाही नही की थी पर कब्रो को क्षति होते देख तहसील वक्फ कमेटी सिरोंज ने इस भूमि का रिकार्ड वक्फ बोर्ड एवं राजस्व विभाग से निकालकर गहनता से अध्ययन किया साथ ही वक्फ एक्ट का अध्ययन व सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन का अध्ययन कर अनुविभागीय अधिकारी न्यायालय में तथ्यों के साथ संबंधित के नामांतरण जो तहसीलदार सिरोंज द्वारा किए गए थे को निरस्त करने की अपील करते हुए दस्तावेज पेष किए उन सभी तथ्यों एवं आवष्यक दस्तावेजों को ध्यान में रखते हुए अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी द्वारा संबंधित के जवाब तलब होने एवं तथ्यों के आधार पर उक्त भूमि को राजस्व अभिलेखों में कब्रस्तान मध्यप्रदेष वक्फ बोर्ड भोपाल आह्वतांरणिय लिखने के आदेष जारी किए।

अन्य वक्फ संपत्तियों पर भी लेंगे संज्ञान

इस संबध में श्री खान ने कहा कि कई जगह कृषि भूमियों को पूर्व के मुतावल्लीयों द्वारा बेचे जाने की खबरे मिली है जिसमे बासोदा रोड, आरोन रोड की भूमिया शामिल है जिस पर कालोनीयॉ काटने का प्रयास भी किया जा रहा है साथ ही इमलानी रोड बासौदा नाके के कब्रस्तान भी है शीघ्र ही इन भूमियों पर भी संज्ञान लिया जाएगा ताकि जिन लोगो ने इन भूमियों को वक्फ किया है उन्हें उनकी मंषा अुनसार कार्य किए जाने का सवाब मिल सकें इसके साथ ही वक्फ संपत्ति सुरक्षित हो सकें। तार फंसिंग का काम शुरू फैसला आते ही उक्त कब्रिस्तान की तार फैंसिंग का काम शुरू कर दिया गया जिसकी बुनियाद ग़ाज़ी वली अह्मद चुश्ती के द्वारा की गई इसमें सबसे अधिक सह्योग एवं मेह्नत एडवोकेट शोऐब खांन द्वारा की गई इस मोके पर डॉ रजी खांन, सुबह्न मंसूरी, हाफिज बशीर अह्मद एवं बड़ी संख्या में लोग मोजूद रहे

इनका कहना है

एक शिकायत हुई थी की वक्फ बोर्ड की जमीन जिसका नामांतरण हो चुका है कुछ लोगो द्वारा विक्रय भी कर दिया है वक्फ बोर्ड के अधिनियम के हिसाब से वर्जित है एमपी बोर्ड की जमीन विक्रेय नहीं की जाती हैं उसको कुछ लोगों द्वारा विक्रय कर दिया है वक्फ बोर्ड की जमीन विक्रय नही की जाती हैं तीन लोगों द्वारा बेची गई थी उसकी रजिस्ट्री शून्य करने का पावर रहता है शून्य करके यथा स्थिति मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में दर्ज कर दिया गया है।

नहर की पुलिया से लेकर बलेज पेट्रोल पंप की सड़क की एसडीएम ने कराई मरम्मत

अद्योसंरचना के तहत सीसी डालने का होगा काम: हर्षल चौधरी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बलेजा पेट्रोल पंप से लेकर नहर की पुलिया तक खस्ताहाल हो चुकी सड़क का समाचार बुधवार के अंक में हमारे संवाददाता द्वारा आम जनता के हित में प्रमुखता से प्रकाशित करते हुए अधिकारियों का ध्यान आकर्षण कराया था। एसडीएम ने खबर को संज्ञान में लेते हुए नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देश देकर गढ़ों की मरम्मत चूरी कोपर डलवाकर गढ़ों को बंद करवा दिया है। जल्दी ही इस सड़क पर सीसी करवाने के लिए आंधोसंरचना के तहत प्रस्ताव स्वीकृत कराकर पक्की सड़क बनवाने का काम करवाया जाएगा जिससे कि इस मार्ग पर आने जाने वाले वाहन चालकों के साथ आसपास के रहवासियों को भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा अभी हालत इतने ज्यादा खराब सड़क तो बची हुई नहीं है जगह जगह गहरे गहरे गड्ढे हो जाने के कारण वाहन चालकों को आने-जाने में पानी भरा होने कारण दिखाई नहीं देता इसकी वजह से दो पहिया वाहन चालक तो कई बार गिर कर दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं। उनको चोटे भी आ चुकी हैं चार पहिया बाहन निकलना भी मुश्किल हो रहा था।

जिसका समाचार बुधवार के अंक में जनहित में प्रकाशित किया था तो जिसको संज्ञान में लेते हुए एसडीएम ने आम जनता हित में तत्काल कदम उठाते हुए नगर पालिका के इंजीनियर को निर्देश देकर तत्काल सड़क की मरम्मत करा कर गढ़ों को भरवाने का काम करवाया इसके बाद जल्दी ही सड़क पर सीसी करवाने के लिए आंधो संरचना योजना के तहत प्रस्ताव बनाकर काम करवाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि इस काम में किसी भी तरह की लेट लतीफी भी नहीं होनी चाहिए क्योंकि शहर में आने जाने का मुख्य रास्ता यहीं से है। इसलिए इस काम को प्राथमिकता से करवाया जाए सड़क बनने के बाद दो पहिया वाहन चालकों के साथ आसपास के रहवासियों को भी इन गढ़ों से मुक्ति मिल जाएगी बड़े बाहन चालकों को भी परेशानी नहीं होगी साथ ही सड़क पर अभी गंदा पानी जमा रहता है उह समस्या का समाधान करने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे जिससे कि यहां के रहवासियों को पानी निकासी की समस्या से भी काफी हद तक मुक्ति में मिल जाऐगी अब देखना है कि इस काम कितने जल्दी प्रशासन के द्वारा करवाया जाएगा क्योंकि नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा अपने काम को गंभीरता से नहीं किया जाता है 1 साल पहले विधायक ने भी पानी निकासी की समस्या को लेकर नगर पालिका सीएमओ से लेकर इंजीनियरों को फटकार लगाते हुए समस्या को दूर करने के निर्देश दिए थे पर 1 साल बीतने को है यह समस्या जसकी तस बनी हुई है ।दूसरी ओर सड़क की मरम्मत होने से आम जनता ने एसडीएम के प्रति आभार भी जाते हुए कहा कि जो काम महीने से नहीं हो रहा था वह काम करवाया दिया।

इनका कहना है

खबर को संज्ञान में लेते हुए हमने आम जनता के हित में अभी चुरी और कोपर डलवाकर गढ़ों की मरम्मत करवा दी गई है। जल्दी ही अंधों संरचना योजना के तहत प्रस्ताव पास करवा कर सीसी डलवाने का काम प्राथमिकता से करवाया जाएगा ।

हर्षल चौधरी, एसडीएम

मेट्रो एंकर | स्टैंड की प्याऊ का हो रहा है दुरुपयोग

दबंग दुकानदार, आम जनता को नहीं पीने देते पानी, खुद के वाहन धुलवाने का कराते हैं काम

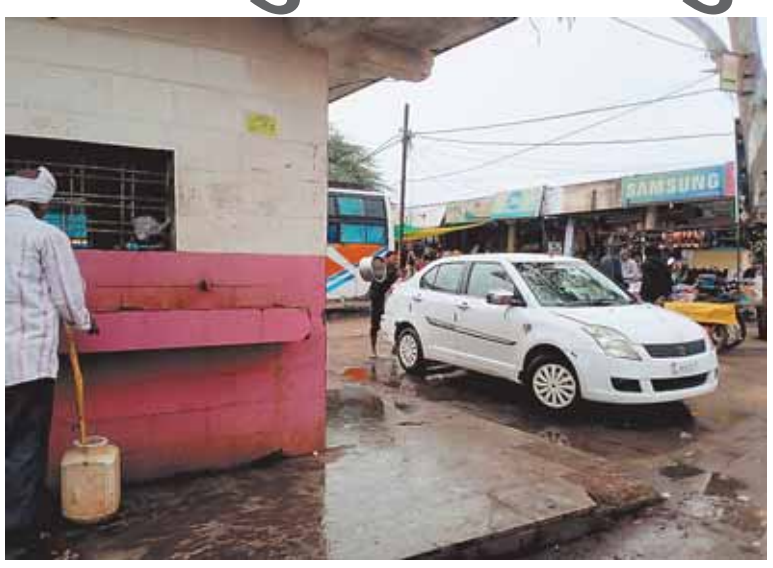

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी या जानबूझकर लापरवाही कहे तभी तो आम जनता के उपयोग के लिए बस स्टैंड पर संचालित होने वाली सार्वजनिक प्याऊ का उपयोग आम जनता हित में नहीं हो पा रहा है। यहां पर एक दबंग दुकानदार के द्वारा प्याऊ के पानी का उपयोग अपने लिए किया जाता है। यात्री और राहगीरों को नहीं करने दिया जाता है। क्योंकि अधिकांश समय दुकान के बर्तनों की धुलाई भी इसी से होती है साथ ही दबंग दुकानदार के द्वारा अपने चार पहिया वाहन को भी सड़क पर खड़ा करके धुलवाने का काम किया जाता है ,इसकी वजह से सड़क पर गंदगी भी होती है। एक तरफ नगर पालिका प्रशासन के द्वारा नगर को साफ स्वच्छ बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। दूसरी ओर इस तरह से खुलेआम बस स्टैंड पर गंदगी करने का काम भी किया जाता है ।जिसकी जानकारी होने के बाद भी नगर पालिका परिषद जिम्मेदार अधिकारी अनदेखा कर रहे हैं। आम जनता के लिए नियम कायदे कानून बताने वाले अधिकारी कर्मचारी भी यहां पर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुट पर रहे हैं ना ही इस तरह से प्याऊ के पानी का दुरुपयोग करने वाले दबंग दुकानदार पर रोक लगाने की हिदायत भी नहीं कर पा रहे हैं। दूसरी ओर दबंग दुकानदार के सामने नगर पालिका प्रशासन अधिकारी कर्मचारी भी चुप्पी सादे हुए हैं। इस वजह से सार्वजनिक प्याऊ के पानी का उपयोग भी आमदनी के हित में नहीं हो पा रहा है। अब देखना है कि दबंग दुकानदार पर लगाम लगाने का काम प्रशासन के जिम्मेदारी कर पाएंगे या नहीं।

अगले साल जून-जुलाई में होना है टी20 वर्ल्ड कप

टीम की कप्तानी के लिए रोहित का विकल्प बनेंगे सूर्यकुमार

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के टॉप ऑफिशियल रोहित शर्मा को टी-20 फॉर्मेट में भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। रोहित ने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के बाद से कोई टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है। तब से लगातार हार्दिक पंड्या टीम की कप्तानी कर रहे हैं। बीसीसीआई के सचिव जय शाह दिल्ली में चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर से मुलाकात करेंगे। वे टीमों के चयन और टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए रोडमैप पर चर्चा करेंगे। बोर्ड साउथ अफ्रीका दौरे के लिए तीनों फॉर्मेट के लिए भारतीय टीमों की घोषणा करेगा। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप के दौरान टखने के लिगामेंट में चोट के बाद टी 20 टीम की कप्तानी कर कहे हार्दिक पंड्या एक महीने के लिए टीम से बाहर हो गए हैं।

टी-20 से दूरी बना रहे रोहित

करियर के इस पड़ाव में रोहित अपना लॉन्ग फॉर्मेट की कैप्टेंसी संभालना चाहते हैं, ताकि वे बचे हुए करियर में चोटों से मुक्त रह सकें। उनके लिए तीनों प्रारूपों के साथ हर साल आईपीएल खेलना असंभव होगा, जबकि दिसंबर 2023 से मार्च 2024 तक सात टेस्ट खेले जाने हैं, जिससे भारतीय कप्तान का ध्यान ज्यादातर टेस्ट में ही लगा होगा। वे भारत को 2025 में एक और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचा सकते हैं।

बीसीसीआई को रोहित पर भरोसा

रोहित ने पहले कहा था कि वह टी-20 फॉर्मेट में नहीं खेलना चाहते हैं, लेकिन जिस तरह से उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप में टीम का नेतृत्व किया, उससे बीसीसीआई को यकीन हो गया है कि जून-जुलाई में अमेरिका में होने वाले 2024 टी20 वर्ल्ड कप तक रोहित को लगातार टी-20 खेलना चाहिए। दरअसल, यह सवाल बना हुआ है कि हार्दिक के वापस आने पर क्या होगा, लेकिन बीसीसीआई को लगता है कि अगर रोहित टी20 में कप्तानी करने के लिए सहमत होते हैं, तो वह टी 20 वर्ल्ड कप में टीम का नेतृत्व करेंगे। यदि रोहित सहमत नहीं होते हैं तो साउथ अफ्रीका में सूर्या कप्तान बने रहेंगे। सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में भारत का नेतृत्व कर रहें हैं।

विराट ब्रेक पर, साउथ अफ्रीका में वाइट बॉल क्रिकेट नहीं खेलेंगे

टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली साउथ अफ्रीका दौरे पर टी-20 और वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे। टीम इंडिया का साउथ अफ्रीका दौरा 10 दिसंबर को डरबन में टी-20 मैच के साथ शुरू होगा। कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से छुट्टी मांगी है। वहीं उनका टेस्ट मैचों में खेलना तय है। कोहली टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद कोई भी टी-20 मुकाबला नहीं खेले हैं।

विराट ब्रेक पर, साउथ अफ्रीका में वाइट बॉल क्रिकेट नहीं खेलेंगे

टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली साउथ अफ्रीका दौरे पर टी-20 और वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे। टीम इंडिया का साउथ अफ्रीका दौरा 10 दिसंबर को डरबन में टी-20 मैच के साथ शुरू होगा। कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से छुट्टी मांगी है। वहीं उनका टेस्ट मैचों में खेलना तय है। कोहली टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद कोई भी टी-20 मुकाबला नहीं खेले हैं।

स्टार्क बोले, वनडे और टी-20 क्रिकेट सिर्फ बल्लेबाजों का

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया टीम के फास्ट बॉलर मिचेल स्टार्क ने वनडे क्रिकेट में दो नई बॉल के इस्तेमाल पर असहमती जताई है। स्टार्क का कहना है कि, भारत के मैदान काफी छोटे हैं, विकेट सपाट हैं, ऐसे में पुरानी बॉल से रिवर्स स्विंग मिलता है और बॉलर्स को वापसी करने में मदद मिलती हैं। वनडे क्रिकेट में एक ही बॉल का इस्तेमाल होना चाहिए। स्टार्क ने कहा, मैं अब भी सोचता हूं कि एक ही नई गेंद होनी चाहिए, दो नहीं। इससे बॉल ज्यादा समय तक सख्त रहती है। जैसा कि हमने यहां भारत में इस वर्ल्ड कप में देखा, यहां मैदान काफी छोटे हैं और विकेट सपाट हैं। अगर आप पुराने फुटेज देखें तो पता चलेगा कि, एक गेंद से गेंदबाजी पर रिवर्स स्विंग बहुत ज्यादा आती है। यह वास्तव में गेंदबाजों को गेम में वापसी दिलाता है, और मुझे लगता कि वनडे क्रिकेट और टी20 भी बल्लेबाजों का खेल बन कर रह गया है, जिसमें गेंदबाजो को बस रन नहीं लुटाने है। वनडे क्रिकेट में पहले एक इनिंग में एक ही बॉल का इस्तेमाल किया जाता था। 2011 में नियम में बदलाव किया गया और एक इनिंग्स में एक ही गेंद का इस्तेमाल होने लगा। सचिन तेंदुलकर ने जून 2018 में कहा था कि, 2 नई गेंद से रिवर्स स्विंग नहीं मिलता जो कि पहले डेथ ओवरों में तेज गेंदबाजों का सबसे बड़ा हथियार था। अक्टूबर 2010 में डेब्यू करने वाले स्टार्क ने एक बॉल से केवल दो ही वनडे मैच खेले।

विलियमसन की 29वीं टेस्ट सेंचुरी

बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में न्यूजीलैंड की टीम 266/8 पर

सिलहट, एजेंसी

केन विलियमसन (104 रन) ने टेस्ट सेंचुरी के मामले में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की बराबरी कर ली है। विलियमसन ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में करियर का 29वां शतक जमाया। यह उनका इस साल चौथा शतक है। वे साल 2023 में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक जमाने वाले बल्लेबाज बने हैं। केन ने लगातार तीसरा टेस्ट शतक जमाया है। विराट के नाम भी टेस्ट में 29 शतक ही हैं। सिलहट में केन की इस शतकीय पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक 8 विकेट पर 266 रन बना लिए हैं। काइल जेमिसन 7 और टिम साउदी 1 रन पर नाबाद हैं। दूसरे दिन के पहले सेशन में बांग्लादेश की टीम 310 रन पर ऑलआउट हो गई।

44 रन से पीछे है कीवी टीम: न्यूजीलैंड की ओर से केन विलियमसन के अलावा, ग्लेन फिलिप्स ने 42 और डेरिल मिचेल ने 41 रन की पारी खेली। शेष बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। टीम ने 36 रन के स्कोर पर टॉम लैथम का विकेट गंवाया। लैथम 21 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद डेवोन कॉन्वे (12 रन) 44 रन के टीम स्कोर पर आउट हुए। 50 रन के अंदर ओपनर्स के आउट होने के बाद केन विलियमसन ने मोर्चा संभाला और हेनरी निकोलस के साथ 54 रन की साझेदारी की। लेकिन यह साझेदारी ज्यादा देर नहीं चली व निकोलस 19 रन बना कर पवेलियन लौट गए। विलियमसन ने डेरिल मिचेल के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन मिचेल 41 रन बनाकर आउट हो गए। केन ने उनके साथ 66 रन जोड़े। उन्होंने ग्लेन फिलिप्स के साथ 78 रन की पार्टनरशिप की। जब केन आउट हुए तब तक न्यूजीलैंड की टीम 262 रन तक पहुंच चुकी थी।

तैजुल इस्लाम ने झटके 4 विकेट

बांग्लादेश की ओर से स्पिनर तैजुल इस्लाम ने 4 विकेट झटके। उन्होंने टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, केन विलियमसन और ईश सो?ी को आउट किया। तैजुल के अलावा, शोरिफुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज, नइम हसन और मोमिनुल हक को एक-एक विकेट मिला। बांग्लादेश की टीम ने 310 रन के स्कोर से दिन के खेल की शुरुआत की, लेकिन टीम ने दिन ही पहली ही बॉल पर अपना आखिरी विकेट गंवा दिया। टिम साउदी ने शोरिफुल इस्लाम को पहली ही बॉल पर एलबीडब्ल्यु कर दिया। इस्लाम 13 रन बनाकर आउट हुए। कीवी टीम की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने 4 विकेट चटकाए। काइल जेमिसन और अजाज पटेल को 2-2 विकेट मिले।

मैक्सवेल एक ओवर में सबसे ज्यादा रन देने वाले ऑस्ट्रेलियन

कंगारुओं के खिलाफ ऋतुराज गायकवाड भारत के बेस्ट स्कोरर, हार्डी सबसे महंगे

गुवाहाटी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में भारत को 5 विकेट से हराया। गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में ऋतुराज गायकवाड और ग्लेन मैक्सवेल की रिकॉर्ड ब्रेकिंग पारियां देखने को मिलीं। मैक्सवेल ने बॉलिंग में भी रिकॉर्ड बनाया।

ग्लेन मैक्सवेल एक ओवर में सबसे ज्यादा रन देने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने। मैक्सवेल ने भारतीय पारी के आखिरी ओवर में 30 रन दिए। ऋतुराज गायकवाड ने तिलक वर्मा के साथ मैक्सवेल के ओवर में 3 छक्के और 1 चौका जमाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड तेज गेंदबाज ब्रेट ली के नाम था, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2009 टी-20 वर्ल्ड कप में एक ओवर में 27 रन दिए थे। ऑस्ट्रेलिया ये मुकाबला हार गया था। गायकवाड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 में सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर बनाने वाले बैटर हैं। भारतीय ओपनर ऋतुराज गायकवाड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बनाया। यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था। कोहली ने 2016 में एडिलेड के मैदान पर 55 बॉल में 90 रन की नाबाद पारी खेली थी। टॉप स्कोर के मामले में टॉप-3 स्कोर कोहली के ही नाम थे। सभी टीमों के खिलाफ टॉप स्कोर के मामले शुभमन गिल टॉप पर है। उन्होंने 2023 में ही अहमदाबाद के मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 126 रन की पारी खेली थी। ऋतुराज इस मामलें में 123* रन के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं अपना चौथा टी-20 खेल रहे 24 साल के एरन हार्डी भारत के खिलाफ एक स्पैल में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले खिलाड़ी बन गए है। भारत के खिलाफ तीसरे टी-20 मुकाबले में हार्डी ने 4 ओवर में 64 रन लुटाए। हार्डी से पहले यह रिकॉर्ड सीन एबट के नाम था, जिन्होंने तिरुवनंतपुरम में पिछले ही मैच में 3 ओवर में 56 रन दिए थे।

गायकवाड टी-20 में शतक जमाने वाले 9वें भारतीय बैटर

ऋतुराज गायकवाड टी-20 में शतक लगाने वाले 9वें भारतीय बल्लेबाज बन गए है। गायकवाड से पहले रोहित शर्मा 4, सूर्यकुमार 3 और के एल राहुल 2 शतक लगा चुके हैं। उनके अलावा सुरेश रैना, विराट कोहली, दीपक हूडा, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल इस फॉर्मेट में 1-1 सेंचुरी लगा चुके हैं। ग्लेन भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए। ग्लेन ने 21 मैचों में कुल 554 रन बनाए है। मैक्सवेल ने टी-20 वर्ल्ड कप विनिंग कप्तान एरन फिंच को पीछे छोड़ा। मैक्सवेल ने रोहित की बराबरी की है। इससे पहले सिर्फ रोहित के ही नाम इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा (4) शतक थे। इनके अलावा पाकिस्तान के बाबर आजम, चेक रिपब्लिक के सबावून डेविसी, न्यूजीलैंड के कॉलिन मुनरो और भारत के सूर्यकुमार यादव के नाम 3-3 शतक हैं।

मेट्रो बाजार

लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई पर पहुंचा सोना

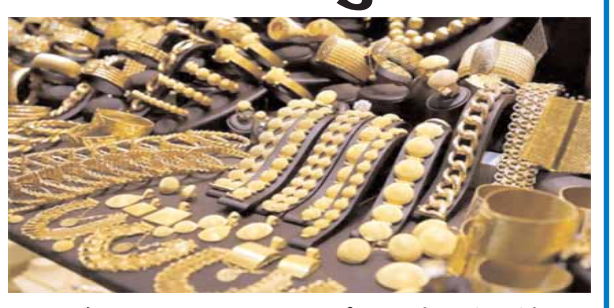

नईदिल्ली, एजेंसी

सोना लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 862 रुपए महंगा होकर 62,775 रुपए बिका। इससे पहले कल भी सोने ने अपना ऑल टाइम हाई बनाया था। तब इसकी कीमत 61,913 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। हालांकि शाम को क्लोजिंग के समय इसकी कीमत में थोड़ी गिरावट देखने को मिली और ये 62,629 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते अगले एक साल में ये सोना 67 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी में भी शानदार तेजी देखने को मिली है। ये 811 रुपए महंगी होकर 75,700 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 74,889 रुपए पर थी। इस महीने अब तक चांदी 5 हजार महंगी हुई है। इस महीने अब तक सोने-चांदी के दाम में बढ़त देखने को मिली है। 1 नवंबर को सोने के दाम 60,896 रुपए थे, जो अब 62,629 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं चांदी की कीमत अब तक इस महीने 4,875 रुपए बड़ी है। यह नवंबर के पहले दिन 70,825 रुपए पर थी, जो अब 75,700 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होता। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'राघव...' को विक्की कौशल ने अपने कॅरियर की सबसे बुरी परफॉर्मेंस बताया

विक्की कौशल आजकल अपनी आने वाली फिल्म सैम बहादुर का जमकर प्रमोशन करते नजर आ रहे हैं। विक्की ने सैम बहादुर में निभाए गए फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के किरदार को अब तक का सबसे मुश्किल रोल बताया। ऐसे में जब एक्टर से उनके करियर की सबसे बुरी परफॉर्मेंस के बारे में पूछा गया तो विक्की ने अनुराग कश्यप की फिल्म रमन राघव 2.0 का नाम लिया। एक इंटरव्यू के दौरान विक्की ने रमन राघव 2.0 के बारे में खुलकर बात की। अनुराग कश्यप की ये फिल्म 2016 में रिलीज हुई थी। फिल्म की कहानी सीरीयल किलर रमन राघव पर बेस्ड थी। इस फिल्म में विक्की कौशल ने इंस्पेक्टर का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा कि उनकी मां विक्की के पुलिस वाले किरदार से काफी खुश थीं। मगर विक्की ने मां को रोल के बारे में काफी-कुछ नहीं बताया था। विक्की ने कहा, सच कहूं, तो मुझे ऐसा लगता है कि यह मेरे करियर की अब तक की सबसे बुरी परफॉर्मेंस थी। उस समय मुझे जिंदगी का अनुभव कम था।

सैम मानेकशॉ ने दुश्मनों का अपमान किए बिना हमारे देश की रक्षा की: मेघना

विक्की कौशल की आने वाली फिल्म 'सैम बहादुर' आजकल सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में विक्की फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका निभाते नजर आएंगे। विक्की ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि सैम बहादुर का किरदार निभाना उनकी जिंदगी का अब तक का सबसे मुश्किल किरदार रहा है। यह फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें, ये पहली बार नहीं है जब मेघना गुलजार और विक्की कौशल साथ काम कर रहे हैं। साल 2018 में रिलीज हुई राजी में भी दोनों ने साथ काम किया था। सैम बहादुर और राजी की तुलना करते हुआ डायरेक्टर ने कहा, राजी फिल्म में आलिया भट्ट ने एक भारतीय जासूस का किरदार निभाया था। जिसकी शादी एक पाकिस्तानी सेना अधिकारी से हो जाती है। मुझे आलिया भट्ट के किरदार से बहुत सहानुभूति है। उसके किरदार में ग्रे शेड्स भी थे। वहीं सैम बहादुर में किसी को खलनायक बनाने की कोई गुंजाइश नहीं है। यह वह कहानी नहीं है। इसमें ग्रे शेड्स नहीं हैं। सैम मानेकशॉ ने अपनी जिंदगी में ऐसा कभी नहीं किया और इसलिए मैं उनकी फिल्म में ऐसा कुछ नहीं दिखा सकती। मेघना ने आगे कहा, सैम मानेकशॉ ने दुश्मनों का अपमान किए बिना हमारे देश की रक्षा की। उन्होंने हमारे 93,0000 युद्धबंधियों के साथ सम्मानीय व्यवहार किया। उनके साथ मानवता और सम्मान का वैसा ही व्यवहार किया जो एक सैनिक के लिए सही और उचित होता है। मेघना गुलजार की 2018 में रिलीज हुई राजी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

संदीप बोले- रणबीर संयम से काम करते हैं

फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर की एक्टिंग की हर कोई तारीफ कर रहा है। ऐसा करने से डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा भी खुद को रोक नहीं पाए। हैदराबाद में प्री-रिलीज इवेंट में संदीप ने रणबीर के परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वो रणबीर जैसे कलाकार से इससे पहले कभी नहीं मिले हैं। रणबीर की परफॉर्मेंस देख कभी-कभी संदीप उनके पैर छूने चाहते हैं। हैदराबाद में प्री-रिलीज इवेंट में संदीप ने कहा- रणबीर भले ही हमसे छोटे हैं, लेकिन जब मैं उन्हें परफॉर्म करते हुए देखता हूं तो मुझे उनके पैर छूने और उनका आशीर्वाद लेने का मन होता है। मैंने किसी को भी इतने संयम से काम करते नहीं देखा है।

पहले फिल्म का रन टाइम 3 घंटे 45 या 46 मिनट का था

संदीप ने एक इंटरव्यू में कहा था- एनिमल का पहला कट 3 घंटे 45 या 46 मिनट का था। मैंने इसे घटाकर 3-21 घंटे का किया। मैंने ये फिल्म कई बार देखी है और यह एक इंगेजिंग फिल्म है। रणबीर एक बेहतरीन कलाकार हैं और दर्शकों को वे हर वक्त बांधे रखेंगे। फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को रिलीज होने को तैयार है। इस दिन फिल्म सैम बहादुर भी रिलीज होने वाली है। एडवांस बुकिंग के मामले में एनिमल ने बाजी मार ली है। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल ने एडवांस बुकिंग में 14 करोड़ की कमाई कर ली है। वहीं सैम बहादुर ने 1 करोड़ रुपए की कमाई की है। इस नंबर्स से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस क्लैश में एनिमल आगे निकल सकती है। फिल्म एनिमल में देओल को विलेन के रोल में देखा जाएगा। ट्रेलर में उनका एक भी नहीं था लेकिन वो बहुत इंटेस लुक दिखे हैं। फैंस उनके इस लुक को बहुत पसंद कर रहे हैं।

एमबीबीएस छात्राओं को डंपर ने रौंदा टायर के नीचे दबने से एक छात्रा की मौत

दो छात्राएं गंभीर, रंगीला ढाबा के सामने देर रात हुआ हादसा, हास्टल से चाय पीने के लिए निकली थी तीनों छात्राएं

देर रात ही हुआ पीएम, परिजन सुबह बैतूल शव लेकर हुए रवाना, एमबीबीएस सेकंड ईयर में कर रही थी पढ़ाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित रंगीला ढाबा के सामने बीती देर रात तेज रफ्तार डंपर ने एबीबीएस छात्राओं की स्कूटर को टक्कर मार दी। इस हादसे में डंपर के टायर में दबने से सेकंड ईयर की छात्रा की मौत हो गई, जबकि स्कूटर सवार दो सहेलियों को गंभीर चोट आई है। हादसे के बाद डंपर के चालक ने ढाबे के पास खड़ी कार और अन्य वाहनों को भी टक्कर मारी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मरने वाली छात्रा बैतूल के सदर बाजार की है और डॉक्टर ने देर रात ही उसका पीएम करने के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। आज सुबह परिजन छत्रा का शव लेकर बैतूल भी निकल गए। इधर गंभीर रूप से घायल छात्राओं का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने डंपर बरामद कर लिया है। आरोपी चालक हादसे के बाद से ही फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। एएसआई प्रवीण सिंह बैस ने बताया कि गुंजन उर्फगुंजा सरनकार पिता लोकेंद्र सरनकार (21) मूलतः सदर बाजार बैतूल की रहने वाली थी। वह गांधी मेडिकल कॉलेज के डी ब्लॉक गर्ल्स हास्टल में रह रही थी और एमबीबीएस सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। बुधवार रात वह अपनी सहेली निशिता और छवि के साथ हास्टल से स्कूटर लेकर गांधी नगर स्थित रंगीला ढाबा चाय पीने के लिए गई थी। इस दौरान ढाबा के सामने उनकी स्कूटर को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से छवि और निशिता दूर जा गिरी, जबकि गुंजन डंपर के बीच वाले टायर के नीचे दब गई। इस हादसे में गुंजन की मौके पर ही मौत हो गई थी।

डंपर की चपेट आए अन्य वाहन

हादसे के समय डंपर तेज रफ्तार में था और उसने ढाबे के सामने खड़े वाहनों को भी टक्कर मारी है। इस हादसे में कार समेत आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हुए है। देर रात मिली सूचना पर पहुंची पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मशक्कत के बाद गुंजन का शव टायर के बीच से निकाला गया। पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोविंदपुरा में सूने मकानों से हजारों के जेवरात और नकदी चोरी

राजधानी में सूने मकानों के ताले तोड़कर सामान चोरी करने का सिलसिला जारी है। गोविंदपुरा स्थित दो मकानों के ताले तोड़कर चोर हजारों रुपये कीमत के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए। कई अन्य स्थानों से भी हजारों का सामान चोरी हो गया। पुलिस ने सभी मामलों में केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक सुनीता सिंह (48) हबीबगंज गोविंदपुरा में रहती हैं और कस्तूरबा अस्पताल में नर्सिंग सुपरवाइजर हैं। बीती रात करीब दो बजे वह अपने एक रिश्तेदार की बेटी को लेने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन चली गई थी। रात करीब साढ़े तीन बजे वापस घर लौटी तो दरवाजे की कुंडी टूटी मिली। अंदर जाकर देखा तो अलमारी और पर्स का सामान बिखरा पड़ा था। चेक करने पर अलमारी में रखी दो घड़ियां और पर्स में रखे करीब पांच हजार रुपये नहीं थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसी थानांतर्गत एन-2 गोविंदपुरा सी-सेक्टर में रहने वाले शैलेंद्र (45) के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात और 30 हजार रुपए नकदी समेत करीब 75 हजार का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी में गए परिवार के सूने घर पर चोरों का धावा

कमला नगर स्थित एक सूने मकान पर चोरों ने धावा बोला और हजारों का सामान चोरी कर लिया। वारदात के समय पूरा परिवार शादी समारोह में शामिल हो गया था। पुलिस के मुताबिक फरियादी अजय मौर्य ने पुलिस को बताया कि राहुल नगर में रहने वाले उनके चाचा का परिवार शादी में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश गया हुआ है। बीती रात अज्ञात बदमाशों ने ताला तोड़कर घर के अंदर रखे सोने-चांदी के जेवरात समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान और कीमत का खुलासा मकान मालिक के लौटने पर होगा। इधर अयोध्या नगर थानांतर्गत ईडब्ल्यूए फेस-5 स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर चोर जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने अर्पित जैन की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मप्र, छत्तीसगढ़ व राजस्थान चुनाव के समय ट्रेनों में रेलवे ने 7 करोड़ की अवैध सामग्री पकड़ी

- इसमें नगदी राशि भी शामिल
- रेलवे के आरपीएफ विंग ने राज्यों की पुलिस के साथ किया काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जब मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव हो रहे थे तब ट्रेनों से अवैध शराब, नियम विरूद्ध सोने–चांदी का परिवहन और विभिन्न तरह के मादक पदार्थों का परिवहन भी किया जा रहा था। रेलवे ने इन्हें पकड़ा। इसमें राज्य की पुलिस की मदद भी ली। बाद में सोने–चांदी को नियमानुसार दस्तावेज पेश किए जाने पर रिलीज किया गया तो अवैध सामग्री को सरकार के खजाने में जमा किया गया।

भोपाल रेल मंडल ने जो जानकारी दी है उसके अनुसार चुनाव वाली अवधि में 1,64,37,500 रुपये नगद, 1273 लीटर देशी एवं विदेशी शराब, जिसकी कीमत 10,55,354 रुपये, 358.60 कि.ग्रा. गांजा, जिसकी कीमत रुपये 56,44,380 रुपये, 55 कि.ग्रा. डोडा चूरा, जिसकी कीमत 3,05,000 रुपये, 24 लीटर कोरेक्स सीरप जिसकी कीमत 40,800 रुपये, 275.514 कि.ग्रा चांदी व 4.861 कि.ग्रा. सोना जिनकी कीमत 4,39,73,530 रुपये थी। इन्हें पकड़ा था। वहीं पटाखे, गुटका, बीडी सिगरेट, मावा, मोबाईल, बाईक के स्पेयर पार्टस भी पकड़े, जिनकी कीमत 40,47,485 रुपये थी। इस तरह 7.15 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त की थी।

मां को टहलने भेज कर एसएएफ हवलदार के बेटे ने लगा ली फांसी

चार साल से बिगड़ा था मानसिक संतुलन, तीन दिन पहले ही पीथमपुर से भोपाल लाए थे पिता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित चंदन नगर कलखेड़ा में बुधवार शाम एसएएफ के हवलदार के बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने मां को टहलकर आने का कहा था। मां करीब तीन मिनट बाद टहलकर पहुंची तो वह दुपट्टे का फंदा लगाकर फांसी लगा चुका था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिएभेज दिया है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन एक डायरी जरूर मिली है। डायरी में उसने आत्महत्या की वजह नहीं लिखी है। उसने डायरी में बेवजह की बातें लिखी है।

एएसआई नंद किशोर दुबे ने बताया कि सुमित सिंह गौसाई पिता जगत सिंह गौसाई (26) चंदन नगर कलखेड़ा में रहता था। उसने आइटीआई की थी और इन दिनों पीथमपुर स्थित आइशर कंपनी में नौकरी कर रहा था। गत शुक्रवार को उसने मां पिता को कॉल किया था और कहा था कि तबीयत ठीक नहीं लग रही है। पिता कार से पीथमपुर पहुंचे और उसे घर ले आए। मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने के कारण परिजन उसे मनौचिकित्सक के पास लेकर पहुंचे थे। वहां काउंसलिंग कराई गई। डॉक्टर ने कहा कि जो दवाइयां चल रही है उसे चलने दीजिए। परिजन उसे घर ले आए।

बुधवार शाम परिवार के सभी लोग अपने अपने काम पर गए थे। इस दौरान घर पर केवल सुमित और मां थी। सुमित ने मां से कहा कि मेरी तबीयत ठीक हैं और मुझे कुछ नहीं हुआ फिर मेरे पास बैठने से क्या मतलब है जाओ थोड़ा टहलकर आ जाओ। बार बार कहने पर मां बाहर टहलने के लिए चली गई। शाम करीब साढ़े चार बजे मां टहलने निकली थी, वहां से पांच बजे के आसपास लौटी तो दरवाजा अंदर से बंदथा। करीब पंद्रह मिनट तक आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो मां ने दरवाजे के बगल वाली खिड़की से हाथ डालकर दरवाजा खोला और अंदर पहुंची। इस दौरान अंदर बेडरूम में पंखे पर सुमित की लाश दुपट्टे के सहारे लटकी नजर आई। मां ने शोर मचाया तो आसपास के लोग घर पहुंचे और सुमित को फंदे से नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी गई।

पिता एमटी वर्कशॉप में है हवलदार

सुमित के पिता जगत सिंह गौसाई, एसएएफ में हैं और उनकी नौकरी एमटी वर्कशॉप जहांगीराबाद में नौकरी हैं। जबकि सुमित का बड़ा भाई अमित खेल विभाग में ग्रेड थ्रीम में पदस्थ हैं। अमित की पत्नी भी नौकरी करती है। इसी प्रकार छोटा भाई राहुल गौसाई आईटीआई कर रहा है। जगत सिंह ड्यूटी पर थे, अमित और उसकी पत्नी भी ड्यूटी गईथी। राहुल कॉलेज में था। घर में सुमित और मां थी। तभी सुमित ने मां को टहलने जाने का कहा और फांसी लगा ली।

संदिग्ध परिस्थितियों में दो युवकों की मौत

पंचशील नगर व किलोल पार्क की घटनायें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के टीटी नगर और श्यामला हिल्स में दो युवकों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव पीएम के लिए भेज दिए हैं। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार सुनील मोरे पंचशील नगर बंगाली मोहल्ला में रहता है। उसने पुलिस को सूचना देते हुए बताया उसका बड़ा भाई संजय और संजू पिता अशोक मोरे (35) उसके साथ बंगाली मोहल्ला पंचशील नगर में रहता था और मजदूरी करता था। संजय शराब पीने का आदी था। मंगलवार शाम शराब के नशे में मोहल्ले में पड़ा हुआ था। सुनील उसे उठाकर घर ले आया। सुनील भाई को घर लाकर बिस्तर पर सुला दिया था। बुधवार सुबह सुनील की नींद खुली तो संजय के शरीर में हलचल नहीं हो रही थी। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इस दौरान एंबुलेंस भी पहुंच गई थी एंबुलेंस के स्वास्थ्य कर्मी ने बताया की संजय को मौत हो चुकी है।

इधर श्यामला हिल्स पुलिस ने बताया कि किलोल पार्क धोबी घाट में रहने वाले विष्णु बहादुर पिता विस्ट देव बहादुर (42) मूलतः नेपाल के रहने वाले थे। किलोल पार्क धोबी घाट में वह किराए से रहते थे। उनके पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी थी कि प्रतिदिन वह सुबह जल्दी उठ जाते थे लेकिन बुधवार सुबह उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला। पड़ोसियों ने घर में लगी जाली से झांककर देखा था। इस दौरान विष्णु बहादुर की लाश कमरे में पड़ी नजर आई। रांची पुलिस को घटनास्थल से शराब की खाली बोतल मिली है। अनुमान है कि अधिक शराब पीने से विष्णु बहादुर की मौत हुई है। घटना की जानकारी नेपाल में रहने वाले परिजनों को दे दी गई है। उनके भोपाल पहुंचने पर विष्णु का पीएम कराया जायेगा।

मेट्रो एंकर मंगलवार को हमीदिया रोड की बंजारा होटल में हुए थे चेक-इन, बुधवार शाम मिले शव

प्रेमी का गला घोंटकर, प्रेमिका ने लगाई थी फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हमीदिया रोड स्थित अल्पना टॉकीज के पास बंजारा होटल में बुधवार रात प्रेमी-युगल के शव मिलने से सनसनी फैल गई। होटल के कमरे का दरवाजा तोडने पर भीतर युवती का शव फंदे पर लटका मिला जबकि युवक बिस्तर पर मृत हालत में पड़ा था। युवक के शरीर पर रजाई के अलावा मुंह पर तकिया और गले में मफलर लिपटा हुआ है। अनुमान लगाया जा रहा है कि युवती ने मफलर से अपने प्रेमी का गला घोंटकर हत्या की है। उसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची हनुमानगंज पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा बनाकर हमीदिया अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया था।

एसीपी राकेश बघेल के मुताबिक मंगलवार 28 नवंबर को अल्पना टॉकीज के पास बंजारा होटल में कटनी जिले के रहने वाले युवक-युवती ने चेक-इन किया था। रात करीब साढ़े दस बजे दोनों ने खाना मंगाकर कमरे में खाया था। उसके बाद अगले दिन बुधवार सुबह से शाम करीब छह बजे तक उनके कमरे में किसी प्रकार की हलचल नहीं हुई। दोनों कमरे से बाहर भी नहीं आए और कमरे का दरवाजा भी नहीं खुला था। संदेह होने पर होटल स्टॉफ लेने पर उनकी सुध लेना चाही लेकिन कई बार आवाज देने और बेल बजाने के बाद भी कमरे के भीतर कोई प्रतिक्रिया होती नहीं दिखी। लिहाजा होटल मैनेजर ने सूचना हनुमानगंज पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोडकर देखा तो कमरे के भीतर युवती का शव फंदे पर झूलता मिला जबकि युवक बिस्तर पर मृत हालत में पड़ा था। उसके शरीर पर कंबल लिपटा था और मुंह पर तकिया रखा था। युवक के गले में मफलर भी कसा हुआ था। तलाशी में पुलिस को मौके से किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मौसा ने बताया हुआ था मनमुटाव

एसीपी बघेल ने बताया कि पुलिस को कमरे से युवक का मोबाइल फोन मिला है। उसमें मिले नंबर के आधार पर युवक के मौसा से बात हो सकी। मौसा ने बताया कि युवक का नाम मनीष चक्रवर्ती (23) निवासी ग्राम बिलहरी जिला कटनी है जबकि युवती का नाम किरण केवट (21) निवासी ग्राम खितौली जिला कटनी है। मनीष का परिजनों से विवाद हुआ था। तीन दिन पहले वह घर से बिना बताए चला गया था। इस बात की जानकारी उन्हें नहीं थी कि वह युवती को साथ लेकर भोपाल गया है।

पुलिस ने बताया कि युवती तंदरुस्त थी जबकि युवक शारीरिक रूप से थोड़ा कमजोर प्रतीत हो रहा है। प्रथम दृष्टया दोनों शवों को देखकर प्रतीत हो रहा है कि युवती ने मफलर से गला घोंटकर युवक की हत्या की है और फिर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। ऐसा बताया जा रहा है कि प्रेमी-युगल शादी करना चाहते थे लेकिन उनके परिजन तैयार नहीं थे। पुलिस का कहना है?कि आज बुधवार को दोनों शवों के पीएम करा दिए गए है। अब पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022